RNI-MPHIN/2013/5376

दैनिक

राष्ट्रीय जनभावना

वर्ष-3, अंक-56
इन्दौर बुधवार
28 मई 2025
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

सुविचार

भोजन के लिए अच्छे पदार्थों का उपलब्ध होना, उन्हें पचाने की शक्ति का होना, सुंदर स्त्री के साथ संसर्ग के लिए कामशक्ति का होना, प्रचुर धन के साथ-साथ धन देने की इच्छा होना। ये सभी सुख मनुष्य को बहुत कठिनता से प्राप्त होते हैं।

चाणक्य

कर्मचारियों के हित में है प्रदेश का हित, प्रदेश के हित में राष्ट्र का हित : मुख्यमंत्री

भोपाल। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी राज्यकर्मी सम्मान और साधुवाद के पात्र हैं, क्योंकि इनकी कर्मठता और सामूहिक परिश्रम से ही मध्यप्रदेश आज देश के अग्रणी राज्य के रूप में पहचाना जा रहा है। राज्यकर्मी सच्चे अर्थों में कर्म योगी है।

ये प्रदेश की शासन और प्रशासन व्यवस्था की धुरी हैं। राज्यकर्मी पूरी निष्ठा और मेहनत से अपने पदीय दायित्व निभाएं, इनके सभी हितों और अनुलाभों (इंसेंटिव्स) का सरकार पूरा-पूरा ध्यान रखेगी। उन्होंने कहा कि सरकार सभी रिक्त पदों को क्रमशः भरने की दिशा में आगे बढ़ रही है। जल्दी ही सभी रिक्त पद भरे जाएंगे। पदोन्नति वाले मसले पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस मामले से जुड़े दोनों पक्षों के साथ चर्चा कर शासकीय सेवकों को पदोन्नति देने के लिए राज्य सरकार पूरी गंभीरता से सभी जरूरी कदम उठा रही है। जल्द ही मामले का सकारात्मक समाधान निकालकर पात्रों को पदोन्नति दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार सभी राज्य कर्मचारियों का बीमा कराने की मंशा से आगे बढ़ रही है। सरकार की मंशा है कि सभी राज्य कर्मियों के खुद के मकान भी हों। राज्य कर्मियों को अपने बच्चों को पढ़ाने-लिखाने में सरकार मदद करना चाहती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर कर्मचारी-अधिकारी की क्षमता और योग्यता का पूरा लाभ लेंगे और प्रदेश की बेहतरी के लिए उसका सदुपयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी राज्यकर्मी शासन व्यवस्था का अभिन्न अंग है इसलिए इनके हित संवर्धन के लिए सरकार कोई कसर नहीं रखेगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हित में प्रदेश का हित है और प्रदेश के हित में ही राष्ट्र का हित है। कार्यक्रम के संयोजक श्री सुभाष वर्मा द्वारा स्वागत उद्बोधन देकर केन्द्र सरकार के समान राज्य कर्मियों को महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, सचिवालय भत्ता व अन्य सभी कर्मचारी हितैषी निर्णय लेने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार जताया और अपना मांग पत्र भी सौंपा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलन एवं भारत माता के चित्र पर मार्ल्यापण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंत्रालय परिवार द्वारा पुष्पगुच्छ एवं पौधा भेंटकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय परिवार द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तिरंगा लेकर यात्रा का नेतृत्व किया और यात्रा को उसके गंतव्य स्थल की ओर रवाना किया। कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री तथा भोपाल जिले के प्रभारी मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप, क्षेत्रीय विधायक श्री भगवान दास सबनानी के अलावा श्री कुलदीप गुर्जर, श्री घनश्याम दास भकोरिया, श्री संजय राठौर, श्री जी.पी. सिंह सहित मंत्रालयीन अधिकारी कर्मचारी संघों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष,अन्य पदाधिकारी और बड़ी संख्या में मंत्रालय के कर्मचारी बन्धु उपस्थित थे।

न्यूज़ ब्रीफ

तुर्की की कंपनी को हाईकोर्ट से स्टे

मुंबई। भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर में तुर्की ने पाकिस्तान के पक्ष में सैनिक कार्रवाई में भाग लिया। भारतीय सेना को काफी नुकसान पहुंचा था। उसके बाद भारत सरकार और कंपनियों ने तुर्की से अपने कारोबारी संबंध खत्म करने का निर्णय लिया था। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड में हैंडलिंग और सर्विस देने का काम तुर्की की फर्म मायल कर रही थी। इसका अनुबंध सेलेबी द्वारा खत्म किया गया। इस आदेश के खिलाफ तुर्की की कंपनी मायल को बॉम्बे हाईकोर्ट का स्टे मिल गया है।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर की पति की हत्या

मुंबई। दक्षिण-मध्य मुंबई के एंटॉप हिल इलाके में एक 36 वर्षीय व्यक्ति की कथित तौर पर उसकी पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर बेरहमी से उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि मृतक की पहचान इस्माइल अली जमाल अली शेख (36) के रूप में हुई है। जमाल को अपनी पत्नी सुमाया शेख (26) पर स्थानीय दुकानदार जब्बार शेख के साथ विवाहेतर संबंध होने का शक था, जिसके कारण सोमवार रात दंपति के बीच तीखी बहस हुई।

फिलाडेल्फिया में गोलीबारी में दो की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के फिलाडेल्फिया शहर के एक पार्क में सोमवार रात हुई सामूहिक गोलीबारी में कम से कम दो लोगों की मौत हो गयी। एबीसी न्यूज से संबद्ध स्थानीय डब्ल्यूपीवीआई-टीवी के मुताबिक फेयरमाउंट पार्क में गोलीबारी की इस घटना में कम से कम आठ अन्य लोग घायल हो गये हैं।

इजरायल ने यमन से दागी मिसाइल को रोका

यरूशलम। इजरायल ने यमन से दागी गयी मिसाइल को रोक दिया है। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि उसने यमन से इजरायली क्षेत्र की दिशा में प्रक्षेपित की गई मिसाइल को रोक लिया है। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर कहा, %कुछ समय पहले इजरायल के कई इलाकों में सायरन बजने के बाद यमन से दागी गई मिसाइल को रोक लिया गया। अंसार अल्लाह आंदोलन (हूती) ने अक्टूबर 2023 में गाजा पट्टी में संघर्ष की शुरुआत के बाद से इजरायल पर सैकड़ों मिसाइलें और ड्रोन दागे हैं।

चौधरी बन रहे ट्रंप ने कहा रूस नहीं माना तो बुरा होगा, पुतिन ने दिया जवाब- तीसरा विश्वयुद्ध

मॉस्को। अमेरिका बिना बुलाया मेहमान और चौधरी बनने का मौका कहीं नहीं छोड़ता। कई बार उसे दो टूक जवाब भी मिल जाता है। हाल ही रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुतिन को चेतावनी देते हुए कहा कि वो आग से खेल रहे हैं।

अगर स्थिति नहीं सुधरी तो रूस के लिए वाकई बहुत बुरी चीज़ें हो सकती हैं। इसके जवाब में रूस ने भी खुली धमकी दी है- हमें एक वाकई बुरी चीज पता है–तीसरा विश्व युद्ध! ट्रंप का बयान यूक्रेन युद्ध को लेकर पुतिन पर अमेरिका की कड़ी प्रतिक्रिया का हिस्सा है। बीते दिनों यूक्रेन में बड़े ड्रोन हमले के बाद ट्रंप ने पुतिन को पूरी तरह पागल तक कह दिया था। अमेरिका इस समय रूस पर नए प्रतिबंधों की तैयारी कर रहा है, और ऐसे में यह बयान कूटनीतिक दबाव बढ़ाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर लिखा, अगर मैं न होता तो रूस के लिए अब तक वाकई बहुत बुरा हो चुका होता। और मेरा मतलब वाकई बहुत बुरा है। पुतिन आग से खेल रहे हैं! पश्चिमी देशों ने पुतिन पर आरोप लगाया है कि वह जानबूझकर शांति वार्ताएं टाल रहे हैं, जबकि रूस का कहना है कि यूक्रेन उनके नागरिकों पर हमले कर रहा है और ये जवाबी कार्रवाई है। रूस ने हाल ही में अमेरिका पर यह आरोप भी लगाया कि वह कूटनीतिक समाधान को नाकाम करने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप इस हफ्ते रूस पर नए प्रतिबंधों की घोषणा कर सकते हैं।

भारत से गए मुहाजिरों पर हो रहे अत्याचार, पीएम से बचाने की अपील

नई दिल्ली। पाकिस्तान में रह रहे भारतीय मुस्लिम यानी मुहाजिरों पर अत्याचार हो रहे हैं। उनकी दांस्ता बताते हुए पाकिस्तान से निर्वासित नेता और मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट के संस्थापक अल्ताफ हुसैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुहाजिरों को बचाने की अपील की है। हुसैन ने अपने लाइव संबोधन में पीएम मोदी की तारीफ की है। हुसैन ने पीएम मोदी से अपील भी की कि पाकिस्तान में भारत से आए मुहाजिरों पर पाक सेना अत्याचार करती है। इन्हें आज भी पाकिस्तानी नहीं समझा जाता। उन्होंने पीएम मोदी से उन मुहाजिरों को बचाने की अपील की। उन्होंने आरोप लगाया कि पाक सेना की कार्रवाइयों में 25,000 से ज़्यादा मुहाजिर युवाओं की हत्या कर दी गई और हज़ारों को उनके माता-पिता के सामने से उठाकर ग़ायब कर दिया गया, जो आज तक लापता हैं। अल्ताफ हुसैन ने कहा कि पिछले 61 वर्षों से मुहाजिरों का शैक्षणिक, आर्थिक और शारीरिक शोषण किया जा रहा है और पाकिस्तान में उनकी आवाज़ सुनने वाला कोई नहीं है। गौरतलब है कि विभाजन के समय लाखों लोगों ने अपना घर-बार छोड़कर एक नई ज़िंदगी की शुरुआत की थी। पाकिस्तान गए इन भारतीय मुसलमानों को उम्मीद थी कि उन्हें वहां सम्मान और बराबरी मिलेगी, लेकिन दशकों बाद भी वे अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। सोशल मीडिया पर अल्ताफ ने कहा कि कुछ मीडिया चैनल्स ने उनके संबोधन को गलत समझा, उन्होंने पीएम मोदी को कोई चिट्ठी नहीं भेजी, बल्कि तारीफ की है और भावुक अपील भी।

वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई

अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद को भेजा नोटिस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को लेकर मंगलवार को फिर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने संशोधित वक्फ अधिनियम 1995 के कुछ प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया है। इसके साथ इस याचिका को 1995 के वक्फ अधिनियम को चुनौती देने वाली लंबित याचिकाओं से जोड़ दिया है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की खंडपीठ ने ये नोटिस सरकार को दिया। पीठ निखिल उपाध्याय द्वारा 1995 अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान सीजेआई गवई ने याचिकाकर्ता के वकील अश्विनी उपाध्याय से पूछा कि 1995 अधिनियम को अब क्यों चुनौती दी जा रही है। इस पर वकील ने कहा कि हम 2013 के संशोधन को भी चुनौती दे रहे हैं।

कर्ज से परेशान होकर एक ही परिवार के 7 लोगों ने जहर खाकर दी जान

पंचकूला। यहां एक ही परिवार के 7 लोगों ने कार में खाया जहर खाकर जान दे दी। मूलरूप से उत्तराखंड के रहने वाले परिवार में दंपत्ति, उनके तीन बच्चे और दो बुजुर्ग ने संदिग्ध हालत में जहर खा लिया।

सातों को सेक्टर-26 के एक प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया, जहां पर एक को छोड़कर बाकी सभी को मृत घोषित कर दिया गया। जो बचा था, उसने सिविल अस्पताल में दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार सेक्टर 27 में एक खाली प्लॉट के सामने खड़ी कार में प्रवीण मित्तल (42), उनकी पत्नी, तीन बच्चे (एक बेटा व दो बेटियां) और प्रवीण के बुजुर्ग माता-पिता सोमवार रात सवा 12 बजे संदिग्ध अवस्था में मिले। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को मामले की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस बुलवाकर सातों को सेक्टर 26 के एक प्राइवेट अस्पताल पहुंचवाया। वहां पर प्रवीण को छोड़कर परिवार के बाकी सभी सदस्यों को मृत घोषित कर दिया गया। प्रवीण की गंभीर हालत को देखते हुए उसे सेक्टर 6 के सरकारी अस्पताल रेफर कर दिया गया लेकिन इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। जांच में पुलिस को कार से बच्चों के स्कूल बैग, खाने पीने का सामान, कपड़े व अन्य चीजें मिली हैं।

जंगी तैयारी में आत्मनिर्भरता की ओर बड़ा कदम, भारत बना रहा है J-35 का भी बाप

देसी 5th जेन फाइटर जेट दुनिया के सामने आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में देसी हथियारों ने जिस तरह से दुश्मन देश के ड्रोन और मिसाइलों पर कहर बरपाया है। उससे भारत के डिफेंस साइंटिस्टों का भरोसा सातवें आसमान पर पहुंच गया है।

आज दुनिया भारत के दम को न केवल महसूस कर रही है बल्कि उसके हथियारों की मारक क्षमता देखकर हैरान भी है। ऐसे में भारत ने और तेजी से स्वदेशी हथियारों को विकसित करने की योजना पर काम कर रहा है। इसी दिशा में मंगलवार को भारत सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय वायु सेना के लिए पांचवीं पीढ़ी के गहरे पैठ वाले उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) विकसित करने के उद्देश्य से एक प्रमुख स्वदेशी परियोजना के लिए ÷निष्पादन मॉडल÷ को हरी झंडी दे दी है। भारत महत्वाकांक्षी एएमसीए परियोजना पर काम कर रहा है, जिसके तहत उन्नत स्टेल्थ विशेषताओं से लैस मध्यम वजन, गहरी पैठ वाले लड़ाकू जेट का निर्माण किया जाएगा, जिसका उद्देश्य देश की हवाई लड़ाकू क्षमताओं को मजबूत करना है। 27 मई को दिए एक बयान में रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सिंह ने उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) कार्यक्रम क्रियान्वयन मॉडल को मंजूरी दे दी है। बयान में कहा गया कि भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने और एक मजबूत घरेलू एयरोस्पेस औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) कार्यक्रम क्रियान्वयन मॉडल को मंजूरी दे दी है। एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) उद्योग भागीदारी के माध्यम से कार्यक्रम को क्रियान्वित करने के लिए तैयार है।

पहलगाम के आतंकी कहां गए?

क्या गुजरात या दाहोद में छिपाया है ?

शिवसेना सांसद राउत ने कहा- गृहमंत्री शाह को प्रायश्चित करना चाहिए

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था। सेना ने इस ऑपरेशन में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और सीमा पार के पंजाब प्रांत में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। इस ऑपरेशन को लेकर अब सियासत होने लगी है। केंद्र में एनडीए की अगुवाई कर रही बीजेपी इस ऑपरेशन की सफलता का जश्न मना रही है, देशभर में तिरंगा यात्रा निकाल रही है। वहीं, अब विपक्षी दल इस ऑपरेशन की सफलता पर सवाल उठा रहा है।

शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने ऑपरेशन सिंदूर को विफलता बताते हुए कहा कि यह राष्ट्रहित से जुड़ा विषय है, इसलिए हम इस पर ज्यादा बात नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि पहलगाम में हमारे 26 बेगुनाह लोग मारे गए। ऑपरेशन सिंदूर करने की जरूरत पड़ी क्योंकि पहलगाम हमले में हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा गया था। शिवसेना सांसद राउत ने कहा कि अमित शाह को इसका प्रायश्चित करना चाहिए और पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। राउत ने सरकार से सवाल किया कि पहलगाम में हमला करने वाले आतंकी कहां गए? क्या गुजरात या दाहोद में उन आतंकियों को छिपाया है? राउत के बाद यूपी की सहारनपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस के सांसद इमरान मसूद ने भी इसी मुद्दे पर सरकार को घेरा है। इमरान मसूद ने सवालिया लहजे में कहा कि पहलगाम के आतंकी कहां गए? उनको आसमान खा गया या जमीन निगल गई?

चलती ट्रेन पर यूक्रेन ने कर दिया ड्रोन अटैक

मास्को। यूक्रेनी सेना ने कहा कि ड्रोन ने रूसी सैन्य ट्रेन पर हमला किया, जिससे भयंकर आग लग गई। देश की सैन्य खुफिया सेवा ने कहा कि स्ट्राइक ड्रोन ऑपरेटरों ने ईंधन ले जा रही ट्रेन को सफलतापूर्वक ट्रैक किया और उसे निशाना बनाया। सामने आई तस्वीरें ज़ापोरिज्जिया क्षेत्र के नोवोबोहदानिवका में जियोलोकेशन किया गया है, जो 2022 से रूसी नियंत्रण में है। यूक्रेनी सैन्य खुफिया जानकारी के अनुसार, यह हमला 24 मई को हुआ, जब ड्रोन ऑपरेटरों ने ट्रेन को वेक्रनी टोकमक-मोलोचान्स्क-फेडोरिवका सेक्शन पर चलते हुए देखा। यूक्रेन ने कहा कि कब्जाधारियों की रसद सुविधा पर रॉकेट से लक्षित हमला किया गया।

पुलिस कर्मियों और वकीलों से उठक-बैठक करवाने वाले जज बर्खास्त

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच ने बर्खास्त सिविल जज कौस्तुभ खेड़ा की बर्खास्तगी के आदेश को बरकरार रखा है। कोर्ट ने उनकी याचिका निरस्त करते हुए कहा, कदाचार के लिए दंडात्मक कार्रवाई करना एक बात है। परवीक्षा अवधि के दौरान संतुष्टि प्राप्त करना अलग बात है। दोनों को एक साथ मिलाया नहीं जा सकता है। खेड़ा 2019 में सिविल जज के रूप में नियुक्त हुए थे। वह अलीराजपुर के जोबट में पदस्थ थे। उनके खिलाफ उनकी ही अदालत के मातहत, वकील और पुलिस कर्मियों द्वारा लगातार उनके व्यवहार को लेकर शिकायतें की जा रही थी। 8 अगस्त 2024 को हाईकोर्ट की प्रशासनिक समिति की अनुशंसा पर 20 अगस्त को फुल कोर्ट ने उन्हें बर्खास्त करने की अनुशंसा की थी। 5 सितंबर 2024 को उन्हें सेवा से मुक्त कर दिया गया था। इस निर्णय के खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। खंडपीठ ने उनकी बर्खास्तगी को उचित माना है।

गेवरा कोयला खदान में हुआ बड़ा हादसा-दो युवकों की हुई मृत्यु

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की गेवरा कोयला खदान में बड़ा हादसा हुआ है। बताया जा रहा हैं की हरदीबाजार मुड़ापार बाजार के रहने वाले तीन युवक कोयला चोरी करने के लिए खदान में घुसे थे।जिसमें से दो युवकों की दबकर मृत्यु हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

CMYK

संपादकीय

हिन्दुस्तानी छात्रों से अमेरिका को अरबों की कमाई

अमेरिका में 11 लाख से ज्यादा विदेशी छात्र पढ़ाई करने के लिए जाते हैं। इसमें लगभग 60 फीसदी भारतीय छात्र होते हैं। इन छात्रों द्वारा लाखों रुपए की फीस अमेरिका के शिक्षण संस्थानों को दी जाती है। विदेशी छात्रों की फीस से अमेरिका के शिक्षण संस्थानों को लाखों करोड़ों रुपए प्रतिवर्ष की कमाई होती है। डोनाल्ड ट्रंप जब से अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, उन्होंने विदेशियों के बारे में जो राय बनाई है। उसके कारण अमेरिका का शैक्षणिक जगत समाप्त होने की कगार पर पहुंच रहा है। अमेरिका के शिक्षण संस्थानों के ऊपर डोनाल्ड ट्रंप की टेढ़ी नजर है। ट्रम्प के कारण अमेरिका को आगे चलकर बहुत बड़ा नुकसान होने वाला है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का सारी दुनिया में नाम है। यहां पर एडमिशन लेने के लिए दुनिया के सभी देशों से बच्चे यहां आकर पढ़ना चाहते हैं। ट्रंप प्रशासन ने विदेशी छात्रों के प्रवेश पर रोक लगा दी। हालांकि अमेरिका के न्यायालय ने ट्रंप के आदेश को रद्द कर दिया है, लेकिन यह खतरा अभी टला नहीं है। ट्रंप सरकार का रवैया विदेशियों के लिए बहुत आक्रामक और अपमानजनक है। ट्रंप के रुख और फैसलों को देखते हुए, अब सारी दुनिया के देशों से अमेरिका में पढ़ने के लिए जो छात्र आते थे। उनकी संख्या में इस साल भारी गिरावट आई है। हाल ही में ट्रंप प्रशासन द्वारा विदेशी छात्रों के साथ जिस तरह की प्रताड़ना की जा रही है। छात्रों को अनाप-शनाप आरोपों में अमेरिका से निष्कासित किया जा रहा है। उसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया भारत सहित दुनिया के देशों में हुई है। ट्रंप सरकार का कहना है, अमेरिकी के विश्वविद्यालयों में यहूदी विरोधी नीतियां चलाई जा रही हैं। ट्रंप प्रशासन की इस कार्रवाई को अमेरिका में अभिव्यक्ति की आजादी से जोड़कर भी देखा जा रहा है। अमेरिका में यह आजादी अब खत्म होती दिखने लगी है। अमेरिका में सबसे ज्यादा छात्र भारत से पढ़ने के लिए जाते हैं। अमेरिका की जितनी भी यूनिवर्सिटी हैं, वह भारतीय विदेशी छात्रों के बल पर चल रही हैं। कई विश्वविद्यालय में 24 फीसदी से लेकर 51 फीसदी तक विदेशी छात्र महंगी फीस देकर पढ़ रहे है। यह विश्वविद्यालय विदेशी छात्रों के बल पर चल रहे हैं। अमेरिकी छात्रों की तुलना में विदेशी छात्रों से ज्यादा फीस वसूल की जाती है। पिछले 4 महीने में ट्रंप प्रशासन द्वारा जिस तरह से शिक्षण संस्थानों को निशाना बनाया गया है। विदेशी छात्रों पर प्रताड़ना की कार्रवाई की जा रही है। उसको लेकर अमेरिका की साख दुनिया भर के देशों में अमेरिका के इतिहास में सबसे ज्यादा खराब हुई है। यदि यही हाल रहा तो अमेरिका के विश्वविद्यालय आर्थिक संकट के कारण स्वयं बंद हो जाएंगे। अमेरिकी सरकार ने विश्वविद्यालयों को मिलने वाले अनुदान में कटौती की है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय का तो पूरा अनुदान ही बंद कर दिया है। अमेरिका के सारे विश्वविद्यालय विदेशी छात्रों के बल पर चल रहे थे। यदि विदेशी छात्र नहीं आएंगे, तो अमेरिका के शिक्षण संस्थान बंद होंगे। इसके साथ-साथ अमेरिका के शिक्षण संस्थानों को लगभग 3.65 लाख करोड रुपए जो फीस के रूप में एकत्रित होते थे। इससे दो गुना ज्यादा राशि विदेशी छात्रों द्वारा अमेरिका में खर्च की जाती थी, अमेरिका को बड़ा आर्थिक नुकसान होना तय माना जा रहा है। अमेरिका इस समय सबसे बड़े कर्ज के दबाव से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने ही हाथों से अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारते हुए नजर आ रहे हैं। ऐसे समय पर भारत में शिक्षण संस्थानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर बनाने के लिए भारत सरकार को स्वायत्ता देने की जरूरत है। भारत में पढ़ाई और रिसर्च के लिये यदि अच्छे संस्थान विकसित किए जाते हैं।

मोहन सरकार के नवाचार कृषि क्षेत्र में ला रहे हैं बदलाव

मध्यप्रदेश की मोहन सरकार ने अपने कार्यकाल में कृषि क्षेत्र में कई नवाचारों और नीतियों को लागू करके राज्य को कृषि क्षेत्र में विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने, खेती को लाभकारी बनाने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इन नीतियों में कृषि उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने, सिंचाई के बेहतर संसाधनों की उपलब्धता और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलवाने के लिए अनेक पहल की गई है।

मोहन सरकार ने रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को कम करने के लिए जैविक और पारम्परिक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वयं इस बात पर बल दिया है कि जैविक खेती न केवल एक उत्पादन विधि है, बल्कि यह किसानों की समृद्धि और आत्मनिर्भरता का आधार है। भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, मध्यप्रदेश में वर्तमान वर्ष में लगभग 1 लाख एकड़ क्षेत्र में जैविक खेती का कार्यक्रम चल रहा है और आगामी वर्षों में इसे 5 लाख हेक्टेयर तक विस्तारित करने का लक्ष्य रखा गया है।

जैविक कृषि को बढ़ावा देने के साथ ही प्रदेश में मटर, सोयाबीन, तुअर दाल और आलू जैसे फसलों का उत्पादन में राज्य में तेजी आई है और इन उत्पादों का निर्यात भी काफी बढ़ा है जिसने किसानों की आय में वृद्धि के साथ राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की है।कृषि क्षेत्र में ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए मोहन सरकार ने सौर पंप योजना को बेहतर तरीके से लागू किया है। इस योजना के तहत किसानों को मात्र 10हr राशि जमा करने पर सौर पंप उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अगले तीन वर्षों में 32 लाख सौर पंप वितरित करने का लक्ष्य सरकार ने रखा है। इसके अतिरिक्त किसानों द्वारा उत्पादित अतिरिक्त बिजली को सरकार खरीदेगी जिससे किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त होगी। यह योजना न केवल बिजली बिल से मुक्ति दिलाएगी, बल्कि किसानों को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाएगी।

मध्यप्रदेश में बीते डेढ़ वर्ष में कृषि मंडियों का आधुनिकीकरण, विपणन और भंडारण की सुविधाओं में भी बड़ा सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने किसानों के उत्पादों को बेहतर दाम दिलवाने के लिए कृषि मंडियों और कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं में विस्तार किया है जिससे किसानों को अपनी उपज को बाजार में बेहतर मूल्य पर बेचने का अवसर मिल रहा है। नई जरूरतों के मुताबिक अब अलग-अलग मंडियों की स्थापना पर विचार किया जाना चाहिए।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश की कृषि मंडियों को आदर्श बनाने के निर्देश दिए हैं। मंडियों में आधुनिक सुविधाओं को बढ़ाने से लेकर उनके प्रबंधन को और अधिक पारदर्शी बनाने पर जोर दिया जा रहा है। मंडी शुल्क का उपयोग किसानों की कल्याणकारी गतिविधियों के लिए किया जा रहा है साथ ही फल, सब्ज और मसाला मंडियों की स्थापना पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अलावा, राज्य में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर भी विशेष ध्यान दिया गया है जिससे किसानों को उचित लाभ मिल रहा है।इन प्रयासों से राज्य में कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है और किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मोहन यादव ने किसान कल्याण के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं जिनमें कृषि ऋण, बीमा और कृषि उपकरणों पर सब्सिडी जैसी योजनाएं शामिल हैं। इन योजनाओं से किसानों को वित्तीय मदद मिल रही है जिसने उन्हें खेती में उच्च गुणवत्ता वाले उपकरणों का उपयोग करने की सुविधा प्रदान की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि गेहूं उत्पादक किसानों को भी समर्थन मूल्य 2425 रुपये के अतिरिक्त 175 रुपये प्रति क्विंटल की बोनस राशि दी जायेगी जिससे लगभग 1400 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि का लाभ होगा। साथ ही गेहूं के उपार्जन पर प्रति क्विंटल 2600 रुपये की राशि मिलेगी। इस वर्ष प्रदेश में 80 लाख मीट्रिक टन गेहूं उपार्जन अनुमानित है।

एमपी की मोहन सरकार ने श्रीअन्न (मिलेट्स) और विशेष फसलों को प्रोत्साहन देने की दिशा में कई बड़े कदम उठाए हैं। सरकार ने घोषणा की है कि वह किसानों से श्रीअन्न की खरीद करेगी, जिससे इन फसलों का उत्पादन बढ़ेगा। इसके अतिरिक्त, विशेष फसलों को भौगोलिक संकेतक जीआई टैग प्रदान करने की प्रक्रिया को तेज किया जा रहा है, ताकि मध्यप्रदेश की फसलों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मार्केट में नई पहचान मिले। राज्य सरकार ने प्रदेश के हर संभाग में किसान मेलों का आयोजन करने का निर्णय लिया है। इन मेलों में कृषि आधारित उद्योगों में निवेश पर जोर दिया जा रहा है। अप्रैल माह मेंमंदसौर जिले के सीतामऊ में आयोजित कार्यक्रम में किसानों को कृषि के आधुनिक यंत्रों और तकनीक से अवगत कराया गया। जिसके बाद अब 26 मई को नरसिंहपुर जिले में कृषि उद्योग समागम का आयोजन होने जा रहा है जिसका शुभारम्भ उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ के माध्यम से होगा।

मध्यप्रदेश में वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कृषि उद्योग समागम नरसिंहपुर का आयोजन मध्यप्रदेश में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने, खाद्य प्रसंस्करण में निवेश आकर्षित करने, और किसानों को बेहतर बाजार से जोड़ने के लिए किया जा रहा है। यह समागम उद्योगपतियों कृषक उत्पादक संगठनों एवं नीति निर्माताओं के बीच संवाद, नीति प्रस्तुति एवं सहयोग के अवसर प्रदान करेगा। कार्यक्रम में उद्योग इकाइयों का शिलान्यास एवं लोकार्पण तथा उद्योगपतियों को भूमि आवंटन पत्र एवं आशय पत्रों का वितरण भी होगा।इस तरह के इन समागमों के माध्यम से किसानों को अधिक बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे। नरसिंहपुर के बाद 8 से 10 जून 2025 तक सतना में विशाल कृषि मेले सह कृषक सम्मेलन भी आयोजित होंगे।

लगातार मौतें न्याय मांगती हैं, चुप्पी नहीं

भारत – जब सरकार यह दावा करती है कि भारत में मैनुअल स्कैवेंजिंग का उन्मूलन हो चुका है, उस समय देशभर में सीवर और सेप्टिक टैंकों की सफाई के दौरान हो रही रोकी जा सकने वाली मौतें एक भयावह सच्चाई को उजागर करती हैं – एक ऐसी सच्चाई जो दंडहीनता, प्रणालीगत जातीय हिंसा और संस्थागत उपेक्षा से भरी है। 2 फरवरी 2025 को, दो सफाई कर्मियों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया जब वे नरेला, बाहरी दिल्ली के मनसा देवी अपार्टमेंट्स के पास एक सीवर की सफाई कर रहे थे। निजी ठेकेदार द्वारा नियुक्त इन लोगों को किसी भी सुरक्षा उपकरण के बिना जहरीले गड्ढे में उतारा गया था। कुछ दिन बाद, उसी सुबह कोलकाता लेदर कॉम्प्लेक्स के बंटाला क्षेत्र में नाले की सफाई करते समय फर्जेंम शेख, राशी शेख और सुमन सरदार – सभी मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल के निवासी – की मौत हो गई। कोलकाता महानगर विकास प्राधिकरण द्वारा नियोजित इन मजदूरों को एक पाइप फटने के कारण मैनहोल में बहा दिया गया। उनके शव कई घंटे बाद पुलिस, अग्निशमन और आपदा प्रतिक्रिया दलों द्वारा बरामद किए गए। कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने औद्योगिक अपशिष्ट से उत्पन्न विषैली गैस को घटना का कारण बताया और जांच की घोषणा की, लेकिन ऐसी जांचें शायद ही कभी दोषियों को सजा या सुधार की ओर ले जाती हैं।

ये मौतें 29 जनवरी 2025 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश के केवल चार दिन बाद हुईं, जिसमें भारत के प्रमुख महानगरों (दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद) में मैनुअल स्कैवेंजिंग और खतरनाक सीवर सफाई को स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित किया गया था। यह फैसला जस्टिस सुधांशु धूलिया और अरविंद कुमार की अध्यक्षता वाली पीठ ने डॉ. बलराम सिंह द्वारा दायर याचिका पर दिया।

इसके बावजूद मौतों का सिलसिला थमा नहीं है।भारत में मौत और चुप्पी का सिलसिला

तिरुप्पुर, तमिलनाडु (19 मई 2025)ः तीन दलित मजदूर – सरवनन (30), वेणुगोपाल (30), और हरि कृष्णन (27) – अलाया डाइंग मिल्स में सीवेज टैंक की सफाई करते समय जहरीली गैस से मारे गए। एक अन्य मजदूर अस्पताल में है। फैक्ट्री मालिक, मैनेजर और सुपरवाइजर के खिलाफ मैनुअल स्कैवेंजर्स अधिनियम 2013, एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम, और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज। खंडवा, मध्य प्रदेश (3 अप्रैल 2025)ः गंगौर त्योहार से पहले कुएं की सफाई करते समय कोंडावत गांव में आठ लोगों की मौत जहरीली गैस से हुई। जांच जारी है। फरीदाबाद, हरियाणा (21 मई 2025)ः सिकरी गांव के हरिजन मोहल्ले में एक मजदूरी की सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय मौत हो गई, और उसे बचाने की कोशिश में मकान मालिक भी मारा गया। कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई; पुलिस ने कहा ÷कोई शिकायत नहीं मिली÷, और घटना को ÷जांच कार्यवाही÷ कहकर टाल दिया गया।

नये आर्थिक सूरज बनने के सुखद एवं गौरवपूर्ण पल

नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने रविवार की सुबह नये उगते सूरज के साथ भारत के नये आर्थिक सूरज बनने की सुखद एवं आह्लादकारी खबर दी। उन्होंने बताया कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अब अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को हटाकर तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की जीडीपी बन चुके भारत ने अनेक नवीन संभावनाओं एवं उपलब्धियों को पंख लगाये हैं। निश्चित ही भारत आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में एक महाशक्ति बन कर उभर रहा है, जो हर भारतीय के लिये गर्व एवं गौरव की बात है। सुब्रह्मण्यम ने कहा, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जर्मनी ही हमसे बड़े हैं और जो योजना बनाई जा रही है, अगर हम उसी पर टिके रहते हैं, अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे बढ़ाते है तो भारत शीघ्र ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में कहा था कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के मुताबिक, 2025 में अमेरिका 30,507.217 अरब डॉलर के आकार के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वहीं, चीन 19,231.705 अरब डॉलर के साथ दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।

भारत का चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से विश्व स्तर पर कई महत्वपूर्ण प्रभावों में बढ़ोतरी होगी। भारत का अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे जी 20 और आईएमएफ में प्रभाव बढ़ेगा। भारत में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) में और वृद्धि होगी, क्योंकि ग्लोबल कंपनियां भारत को एक आकर्षक बाजार के रूप में देख रही हैं। इससे भारत और जापान के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी, जैसे चंद्रयान-5 और सैन्य सहयोग, भारत-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। भारत इस उपलब्धि के बाद ग्लोबल इकोनॉमिक लीडरशिप की दिशा में और करीब आ गया है। भारत अगर 2028 तक जर्मनी को पीछे छोड़ देता है तो लीडरशिप और मजबूत होगी। भारत विश्वगुरु बनने एवं विश्व नेतृत्व करने में सक्षम होगा। भारत ने जापान को पछाड़ कर जो छलांग लगायी है, इसके पीछे जापान की अर्थव्यवस्था के सामने कई चुनौतियां रही है। आईएमएफ के अनुमान के अनुसार, 2025 में जापान की जीडीपी ग्रोथ रेट केवल 0.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो भारत की 6.5 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। जापान की उम्रदराज आबादी और लो लेबर रेट ने लेबर फोर्स को सीमित कर दिया है। अमेरिका और अन्य देशों द्वारा लगाए गए टैरिफ और व्यापार नीतियों ने जापान की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। जापान की अर्थव्यवस्था कई दशकों से स्थिरता के लिए संघर्ष कर रही है, जिसके कारण वह भारत जैसे तेजी से बढ़ते देशों से पिछड़ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह भी कहा कि भारत की विकास दर 2025 में 6.2 प्रतिशत और 2026 में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 624.82 अंक तकरीबन 0.76 फसदी नीचे आकर 81,551.63 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 174.95 अंक करीब 0.70 फीसदी नीचे आकर 24,826.20 अंकों पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 25 कंपनियों के शेयर गिरावट पर रहे आज सेंसेक्स की 30 में से केवल 5 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ बंद हुए और शेष सभी 25 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। आईटीसी, टाटा मोटर्स के शेयरों में भी बड़ी गिरावट रही। इससे

हुए। वहीं अन्य सभी 40 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल इंडसइंड बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 2.60 फीसदी जबकि अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर 2.21 फीसदी नीचे आये। वहीं सनफार्मा के शेयर 0.42 फीसदी , अडाणी पोर्ट्स 0.34 फीसदी, नेस्ले इंडिया 0.33 फीसदी और एशियन पेंट्स के शेयर 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर आज निफ्टी की 50 में से केवल 10 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद पहले आज सुबह बाजार ?गिरावट के साथ खुले। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस और इन्फोसिस जैसी भारी भरकम शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आया। सेंसेक्स मंगलवार को 100 अंक से ऊपर की गिरावट लेकर 82,038.20 पर खुला। खुलते ही इसमें बिकवाली हावी हो गई। सुबह शुरुआत के बाद यह 726.90 अंक की गिरावट लेकर 81,449.55 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 24,956.65 पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद यह 233.80 अंक गिरकर 24,767.35 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों में मंगलवार को मिलाजुला रुख रहा। निवेशकों ने यूरोपीय संघ के आयात पर 50 फीसदी टैरिफ टालने के ट्रम्प के फैसले पर विचार किया। जापान का निक्केई 0.15 फीसदी नीचे था। जबकि ब्रोडर टॉपिक्स इंडेक्स स्थिर था। कोस्पी 0.32 फीसदी फिसला। यह सोमवार को तीन महीने के उच्चतम स्तर से नीचे फिसल गया। वहीं, एएसएक्स 200 ट्रेंड के उलट 0.16 फीसदी बढ़ा। सोमवार को मेमोरियल डे के कारण अमेरिकी बाजार बंद रहे। लेकिन ट्रम्प के टैरिफ में देरी के बाद फ्यूचर्स में उछाल आया। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज से जुड़े फ्यूचर्स में 1 फीसदी की वृद्धि हुई। एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 1.1 फीसदी की वृद्धि हुई और नैस्डैक 100 फ्यूचर्स में 1.3 फीसदी की वृद्धि हुई।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय बाजार 26 पैसे की बढ़त के साथ ही 85.13 पर बंद हुआ। वहीं सुबह घरेलू शेयर बाजार में सुस्त धारणा के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में 19 पैसे टूटकर 85.29 प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में घरेलू मुद्रा 85.15 पर खुली और शुरुआती सौदों में डॉलर के मुकाबले 85.29 पर लुढ़क गई जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 19 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले 85.10 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की गिरावट के साथ 98.83 पर रहा।

सोने के भाव में नरमी के बाद तेजी, चांदी फिसली

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में नरमी के बीच घरेलू बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत मंगलवार को नरमी के साथ हुई। हालांकि सोने के भाव बाद में सुधर गए, लेकिन चांदी नरमी के साथ ही कारोबार कर रही है। इस समय घरेलू बाजार में सोने के भाव 96,000 रुपये, जबकि चांदी के भाव 97,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोना चांदी नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 337 रुपये की गिरावट के साथ 95,600 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 95,937 रुपये था। हालांकि इस समय यह 108 रुपये की तेजी के साथ 96,045 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 88 रुपये की गिरावट के साथ 97,915 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 98,003 रुपये था। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,01,999 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,355.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,365.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 20.10 डॉलर की गिरावट के साथ 3,345.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव पिछले महीने 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे।

घरेलू शेयर बाजारों की कमजोर शुरुआत

मुंबई । वैश्विक बाजारों में पॉजिटिव रुख के बावजूद भारतीय शेयर बाजार बुधवार को ?गिरावट के साथ खुले।

प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी-50 24,832 अंक पर लगभग फ्लैट खुला। जबकि बीएसई सेंसेक्स 100 अंक से ज्यादा की गिरावट लेकर 81,457 पर खुला। शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी 50 के आज के कारोबार में कई प्रमुख कारकों से प्रभावित होने की संभावना है। इसमें अप्रैल के लिए औद्योगिक और विनिर्माण प्रोडक्शन डेटा, कंपनियों के मार्च तिमाही के नतीजे, घरेलू संस्थागत निवेशकों की चाल, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प का यूरोपीय संघ के टैरिफ पर निर्णय और वैश्विक बाजारों के संकेत शामिल हैं। इससे पहले मंगलवार को उतार-चढ़ाव वाले बाजार में बाजार गिरावट में बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स 624.82 अंक की गिरावट के साथ 81,551.6 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 174.95 अंक की गिरावट के साथ 24,826.2 पर बंद हुआ। सरकारी बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन के शेयर बुधवार को बाजार खुलते ही 2 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए। कंपनी के शेयरों में यह तेजी मार्च तिमाही के नतीजे अच्छे रहने के चलते आई है। वहीं एशियाई बाजारों में तेजी देखने को मिली। यह तेजी वॉल स्ट्रीट में बढ़त के चलते आई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से यूरोपीय संघ के आयात पर 50 प्रतिशत टैरिफ की समय सीमा को 9 जुलाई तक बढ़ाए जाने के बाद निवेशकों की धारणा में सुधार हुआ। निक्केई में 0.69 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जबकि ब्रोडर टॉपिक्स बेंचमार्क में 0.47 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कोस्पी में 1.42 प्रतिशत की वृद्धि हुई और एएसएक्स 200 में 0.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार अमेरिका में रात भर तीनों प्रमुख इंडेक्स मजबूती के साथ बंद हुए। डॉव जोन्स में 1.78 प्रतिशत का उछाल आया। एसएंडपी 500 में 2.05 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई और नैस्डैक कंपोजिट में 2.47 प्रतिशत का उछाल आया। साथ ही टेस्ला जैसे तकनीकी शेयरों में भी मजबूत बढ़त दर्ज की गई। इस तेजी ने डॉव और एसएंडपी 500 में चार दिनों से जारी गिरावट के सिलसिले को तोड़ दिया। संस्थागत गतिविधियों के मोर्चे पर विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 348.45 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

प्रधानमंत्री देंगे इंदौर को मेट्रो की सौग़ात

इंदौर (नप्र)। भारत का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर एक नये युग में प्रवेश करने जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 31 मई 2025 को वर्चुअली इंदौर मेट्रो के सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर यात्री सेवा का शुभारंभ करेंगे।

यह लगभग 6 किलोमीटर का हिस्सा येलो लाइन का सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर है, जिसमें पाँच स्टेशन - गांधीनगर स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 6 स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 5 स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 4 स्टेशन और सुपर कॉरिडोर 3 स्टेशन शामिल हैं। यह कॉरिडोर ट्रैफिक और प्रदूषण कम करेगा, साथ ही यात्रियों को आरामदायक सफर प्रदान करेगा। यह सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर न केवल तकनीकी दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है, बल्कि इंदौर की आधुनिकता की ओर बढ़ती दिशा का प्रतीक भी है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज गांधी नगर मेट्रो स्टेशन का दौरा कर लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया। इंदौर में मेट्रो ट्रेन की शुरुआत इसी स्टेशन से होगी। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा अपर आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा और मेट्रो के अधिकारीगण भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि इंदौर में कुल 31.32 किलोमीटर लंबी (22.62 किमी एलेवेटेड एवं 8.7 किमी भूमिगत) इस मेट्रो की येलो लाइन पर 28 स्टेशन होंगे, जो शहरी यात्रा को आसान, तेज़, और पर्यावरण के अनुकूल बनाएंगे। मेट्रो के 31.32 किलोमीटर के सम्पूर्ण प्रोजेक्ट की लागत लगभग 7500 करोड़ रूपये है। प्रारंभिक तौर पर 6 किलोमीटर के कॉरिडोर का उद्घाटन होना है जिसकी लागत लगभग 1520 करोड़ रूपये है। यह परियोजना इंदौर को एक आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल शहर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इंदौर मेट्रो की खास बातें

वातानुकूलित, प्रदूषण रहित आधुनिक कोच।
एक ट्रेन की यात्री क्षमताः लगभग 980 यात्री।
सभी स्टेशनों पर लिफ्ट, एस्केलेटर।
दिव्यांगजनों के लिए ब्रेल लिपि और स्पर्शनीय टाइलें।
सभी स्टेशन व डिपो पर CCTV कैमरे और अग्निशमन उपकरण।
यात्रियों की सुरक्षा हेतु आपातकालीन बटन और इंटरकॉम।
दृष्टिहीन यात्रियों के लिए ऑडियो अनाउंसमेंट प्रणाली।
व्हीलचेयर, बैठने की सुविधा, शौचालय, पीने का पानी।
टक्कआधारित टिकटिंग, AI ट्रैकिंग, कंट्रोल सेंटर।

मोहसिन के रिश्ते भोपाल तक...

पहले भी बच निकलता था, थाने में जमावट

इंदौर (नगर संवाददाता)। सिल्वर ऑक्स कालोनी में शूटिंग एकेडमी चलाने वाले मोहसिन खान के अब कई पत्ते खुलकर सामने आ रहे हैं। जिस तरीके से इस मामले को पकड़ा है, उसी तरीके से पूरी कहानी बदल रही है। रसूख के कारण वो बच निकलता था और कार्रवाई भी नहीं होती थी।

मोहसिन खान के खिलाफ मामले लगातार दर्ज हो रहे हैं। अन्नपूर्णा पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद सारी जानकारियां सामने आने लगी है। गैंगरेप के अलावा और भी कई सबूत पुलिस को मिले हैं। असल में मोहसिन के पिताजी आर्मी में थे और वहीं से रिटायर्ड होने के बाद मोहसिन ने एकेडमी शुरू की थी। जिस तरीके से लड़कियों के शोषण के मामले सामने आ रहे हैं, वो चौंकाने वाली बात है। मोहसिन रसूख के कारण बच निकलता था। बताते हैं कि 2020 में उसकी शिकायत हुई थी और उसके बाद वो पुलिस से जमावट कर लेता था। इस कारण कोई अन्नपूर्णा थाने में उसकी शिकायत नहीं करता था। मोहसिन के तार भोपाल से जुड़े हैं। पुलिस अधिकारियों से संबंध होने के कारण उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं हो पा रही थी। जब भी कोई शिकायत जाती थी तो भोपाल से फोन आ जाते थे और मामला दब जाता था। जिस तरीके से मोहसिन के मामले में परतें खुलकर सामने आ रही है, उससे तो ये लग रहा है कि अब केस में पुलिस अधिकारी भी शक के घेरे में आ गए हैं। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने उन अधिकारियों की जानकारी भी भोपाल भेज दी है और पता लगाया जा रहा है कि कैसे, क्या उन्हें हटाया जाए। पूरा मामला सरकार की तरफ चला गया है। पुलिस इस मामले में मोबाइल कॉल डिटेल भी निकाल रही है। वो किस-किस के संपर्क में था, इस बारे में पता लगाया जा रहा है।

पूर्व निगमायुक्त और स्मार्ट सिटी सीईओ के खिलाफ लोकायुक्त करेगी जांच

पूर्व पार्षद की शिकायत पर प्रकरण दर्ज

इंदौर (नगर संवाददाता)। पूर्व पार्षद दिलीप कौशल की शिकायत जांच के बाद लोकायुक्त ने पूर्व निगमायुक्त हर्षिका सिंह, स्मार्ट सिटी के सीईओ दिव्यांक सिंह और कर्मचारी देवेश कोठारी पर मामले में जांच के लिए केस दर्ज किया है। अब लोकायुक्त पुलिस द्वारा विस्तृत जांच की जाएगी।

शिकायत में पूर्व पार्षद ने आरोप लगाए हैं कि अधिकारियों ने स्मार्ट सिटी के कार्यों के लिए संविदा पर पदस्थ सिविल इंजीनियर देवेश कोठारी को निगम में नियमित भवन अधिकारी के रुप में योग्यता नहीं होने के बाद भी पदस्थ कर दिया। साथ ही इन्हें विविध प्रकार के अधिकार देकर उपकृत किया। साथ ही इंजीनियर देवेश को संविदा सेवक होने के तथ्यों को छुपाकर भवन अधिकारी की हैसियत से लगभग 250 नक्शे अवैध डिजीटल हस्ताक्षर से स्वीकृत किए। आरोप है कि नियम विरुद्ध पदस्थ कोठारी द्वारा भवन अधिकारी की हैसियत से वास्तविक तथ्यों को छुपाकर निर्माणाधीन सैकड़ों भवनों को अवैध निर्माण होने के सूचना पत्र देकर बिल्डर्स से अवैध धन अर्जित करने के कारण किसी भी भवन से अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई की। निगमायुक्त और सीईओ को संविदा सेवक होने की जानकारी के बाद भी देवेश को भवन अधिकारी बना दिया था। उसके विरुद्ध जांच आदि कार्रवाई प्रस्तावित नहीं की। कौशल ने प्रकरण दर्ज करने सभी प्रमाणों सहित शपथ पत्र पर शिकायत कर एफआईआर दर्ज करने का आवेदन प्रस्तुत किया था, जिसकी प्रारंभिक जांच पश्चात लोकायुक्त ने केस दर्ज किया है। लोकायुक्त एसपी राजेश सहाय ने भी इस कार्रवाई की पुष्टि की है।

पकड़ाए चरस तस्करों की निशानदेही पर,

यूपी से बड़े चरस सप्लायर को उठा लाई क्राइम ब्रांच की टीम, पूछताछ में अहम जानकारी मिलने की उम्मीद

इन्दौर। दो दिन पहले हुन्डई कार से चरस तस्करी करने वाले दो तस्कर अब्दुल रईस और मोहम्मद बाबर को क्राइम ब्रांच ने पकड़ा था। उनसे पूछताछ और उनकी निशानदेही पर अब क्राइम ब्रांच की टीम ने यूपी से चरस के प्रमुख सप्लायर को गिरफ्तार किया है। ये दोनों उससे ही चरस की खेप लाते थे। डीसीपी क्राइम राजेशकुमार त्रिपाठी के अनुसार दो दिन पहले क्राइम ब्रांच ने इंदौर में दो तस्कर अब्दुल रईस निवासी बड़वानी और मोहम्मद बाबर निवासी मल्हार पल्टन को गिरफ्तार किया था। इनके पास से एक ह्युडई कार जब्त हुई थी, जिसमें ये एक किलो चरस लेकर आए थे। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे कानपुर के तस्कर से ये खेप लेकर आए थे। इस पर क्राइम ब्रांच की टीम यूपी पहुंची और वहां से प्रमुख सप्लायर दिलीप अवस्थी को गिरफ्तार कर इंदौर ले आई। उसे कोर्ट में पेश कर रिमांड लिया जा रहा है। उससे कई बड़े तस्करों की जानकारी मिलने की उम्मीद है। इसके चलते उससे पूछताछ की जा रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई पर धोखाधड़ी का केस

इनाम की जमीन पर कर लिया कब्जा, इंदौर के कांग्रेस जिला अध्यक्ष भी बनाए गए आरोपी

इंदौर। तेजाजी नगर पुलिस ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई भरत पटवारी और नाना पटवारी सहित इंदौर के जिला कांग्रेस अध्यक्ष सदाशिव यादव के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

जमीन पर कब्जा करने और धमकाने के लिए उन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 336, 337, 338, 339 और 340 लगाई गई हैं। महावीर बाग निवासी 74 वर्षीय नरेंद्र मेहता उनके खिलाफ शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचे थे। मेहता के मुताबिक यादव और पटवारी के लोगों ने 29 मार्च 2025 को उनकी ग्राम उमरी खेड़ी में स्थित सर्वे नंबर 1, 2, 3 और 4 साढ़े छह एकड़ जमीन पर जबरिया कब्जा कर लिया। सदाशिव यादव 15-20 लोगों को लेकर आए और डरा-धमकाकर मेहता को जमीन से निकाल दिया और अब उस भूमि पर कॉलोनी डेवलप कर रहे हैं। जिसका सोशल मीडिया पर विज्ञापन भी शुरू कर दिया है।

नवरतनमल जैन के नाम दर्ज है जमीन

यह जमीन होलकर रियासत ने फरवरी 1939 में इनाम स्वरूप नारायण पलसीकर को दी गई थी। नरेंद्र मेहता ने बताया कि उनके पिता नवरतनमल जैन ने 1950 में इस जमीन की विक्रय संधि के तहत ऋणों का निपटान करते हुए खरीदी थी और तभी से उस पर उनका अधिकार बना हुआ है। प्रदेश की राजस्व संहिता में वह इसके स्वामी हो गए। मेहता ने बताया कि आरोपियों ने शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी है। इस भूमि पर उन्होंने एक कमरे का निर्माण भी कर लिया है और सोशल मीडिया पर जमीन बेचने का प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जब वह भूमि पर जाते हैं तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर रुपए की मांग करते हैं।

फर्जी डाक्यूमेंट बनाए

मेहता ने बताया कि आरोपियों ने राजस्व रिकॉर्ड में हेरफेर कर फर्जी डाक्यूमेंट तैयार करवा लिए हैं, पर राजस्व विभाग के अभिलेखों में यह भूमि अभी भी उनके पिता नवरतनमल जैन के नाम है। राजस्व रिकॉर्ड में जैन के नाम पर पर्ची चिपकाकर सदाशिव यादव का नाम लिखा गया है। मेहता ने मामले में राजस्व अधिकारियों से भी शिकायत की है।

टीआई को किया लाइनअटैच, एएसआई पर बैठाई जांच

महिला से मारपीट के मामले में की थी लापरवाही

इंदौर (नगर संवाददाता)। जोन-4 के अंतर्गत आने वाले द्वारकापुरी थाने के टीआई राहुल राजपूत को लाइन अटैच कर दिया गया है। वहीं एक एएसआई पर जांच बैठाई गई है। सूत्र बताते हैं कि यह कार्रवाई एक महिला के साथ की गई मारपीट के मामले में बरती गई लापरवाही को लेकर की गई है। पीड़िता के साथ रोहित मराठा निवासी परिवहन नगर ने 25 मई को घर में घुसकर मारपीट की थी वह उसके साथ पूर्व में लिव इन में रह रही थी। घटना के अगले दिन पीड़िता शिकायत लेकर द्वारकापुरी थाने पहुंची। आरोप है कि ड्यूटी पर मौजूद एएसआई रामगोपाल वर्मा ने गंभीरता नहीं दिखाई। उन्होंने महिला को काफी देर तक थाने में बैठाए रखा, आवेदन देने की बात कही और एफआईआर दर्ज किए बिना रवाना कर दिया। इस दौरान महिला थाने में रोती रही, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। दोपहर बाद जब थाना प्रभारी राहुल राजपूत थाने पहुंचे, तब तक पीड़िता थाने से जा चुकी थी। महिला सीधे डीसीपी ऋषिकेश मीना के पास पहुंची और पूरी आपबीती सुनाई। इस पर डीसीपी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए टीआई राहुल राजपूत को लाइन अटैच कर दिया। साथ ही ड्यूटी अफसर एएसआई रामगोपाल वर्मा के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए।

द्वारकापुरी थाना अब शहर का ऐसा थाना बन गया है जहां एक साल में ही तीन थाना प्रभारियों पर कार्रवाई की गाज गिरी है।

बदमाशों ने मांगा वाइन शॉप पर डिस्काउंट, नहीं मिला तो चाकू से किया हमला

इंदौर (नगर संवाददाता)। राजेन्द्र नगर थाना क्षेत्र में रविवार देर रात वाइन शॉप के बाहर खड़े दो कर्मचारियों पर बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया। आरोप है कि युवक शराब की बोतल पर 50% डिस्काउंट की मांग कर रहे थे, और मना करने पर उन्होंने वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित मुकेश खटके निवासी बालदा कॉलोनी ने बताया कि वह अहिरखेड़ी के पास स्थित वाइन शॉप पर सेल्समेन है। करीब 10 दिन पहले चार युवक दुकान पर आए थे और डिस्काउंट को लेकर विवाद किया था। वे खुद को रमेश बंजारा का गुर्गा बताकर धमकाते हुए चले गए थे। रविवार रात दुकान बंद होने के बाद मुकेश और साथी पवन पाटील बाइक से लौट रहे थे, तभी दो बाइक पर चार युवक आए और मुकेश के पैर और पीठ पर चाकू से हमला कर दिया। पवन जब बचाने आया, तो उसके भी पैर में दो बार चाकू मारा गया।

दो पक्षों में विवाद, पाइप व डंडो से हमला, दोनों पक्षो पर केस दर्ज

इंदौर (नगर संवाददाता)। दो पक्षों के बीच हुए विवाद के चलते दोनों पक्ष के लोंगो ने एक दूसरे पर पाइप व डंडो से हमला कर दिया। इस दौरान एक लोडिंग वाहन के कांच भी फोड़ दिए गए।पुलिस ने दोनों पक्षो पर केस दर्ज किया हैं।

एमआईजी पुलिस के मुताबिक घटना लालापुरा पाटनीपुरा इलाके की हैं। एक पक्ष की तरफ से सूरज पिता गोपाल वर्मा की शिकायत पर मयूर, सन्नी,लड्डू,व साहिल के खिलाफ केस दर्ज किया गया।फरियादी ने पुलिस को बताया कि मैं व मेरे चाचा संतोष वर्मा घर के अंदर खाना खा रहे थे तभी हमारे घर के सामने रहने वाला सन्नी वर्मा हमारे घर के सामने गालीया दे रहा था तो हमने जा कर पूछा कि गालियां क्यों दे रहा है। तभी मयूर वर्मा वहां हाथ मे लकडी का डण्डा और साहिल वर्मा अपने हाथ मे लोहे का पाईप लेकर आया और मयूर और साहिल ने डण्डे और पाईप से मारना शुरू कर दिया जिससे मेरे चाचा को मुंह मे चोट आयी। मैं बीचबचाव करने गया तो मुझे सिर व दाहिने हाथ मे व मुंह मे चोट आयी फिर इतने मे लड्डू वर्मा भी दौड़कर आया और उसने थप्पड मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। दूसरे पक्ष की ओर से सन्नी पिता धर्मराज वर्मा की शिकायत पर सूरज,विशाल ,अमन व सचिन के खिलाफ केस दर्ज किया गया हैं। फरियादी ने पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि मैं अपने घर के बाहर खडी मेरी मोटर साईकिल को घर के अंदर खडी कर रहा था तभी विशाल वर्मा आया और गाडी जल्दी हटाने का बोलने लगा तो मैने कहा गाडी हटा रहा हूँ तो इसी बात को लेकर मुझे गालिया देने लगा।जब मैने गालिया देने से मना किया तो विशाल वर्मा ने मेरे साथ हाथ थप्पडो से मारपीट करने लगा तभी सूरज,अमन और सचिन आये और मुझे सूरज ने डण्डे से मारा जो मेरी दाहिने आँख के ऊपर व सिर में लगा तथा अमन ने मेरा गला पकडकर लात ठूंसों से मारा और सचिन ने मुझे पाईप से मारा जो मेरी पीठ व हाथ में लगा तभी बीच बचाव करने मेरे पापा धर्मराज व भाभी सरिता वर्मा और मेरी बहन दीपा वर्मा आयी तो विशाल वर्मा ने मेरी लोडिंग रिक्शा को ब्लाक से सामने का काँच फोड़ दिया एवं बाइक में भी तोडफोड़ कर नुकसान किया।

सपी द्वारा जनसुनवाई में आएं 30 आवेदको की शिकायतो को सुनकर संबधित थाना प्रभारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

रतलाम। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए 30 आवेदको की शिकायतो को जनसुनवाई के माध्यम से सुना। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा द्वारा जनसुनवाई में प्राप्त विभिन्न शिकायतो को सुनकर थाना प्रभारीयो से प्रकरणों के बारे में एवं की गई कार्यवाही की जानकारी ली साथ ही नई शिकायतो पर शीघ्र कार्यवाही कर निराकरण करने एवं की गई कार्यवाही से अवगत कराने के संबंध में निर्देश दिए गए। पुलिस अधिक्षक द्वारा पिछली जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों की समीक्षा भी की और उनकी प्रगति की जांच की। एसपी ने आमजन की शिकायतें सुनने पर बल दिया और कहा कि यह प्रक्रिया नियमित रूप से जारी रहेगी। इस दौरान नगर पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र घनघोरिया, नगर पुलिस अधीक्षक जावरा दुर्गेश आर्मो, एसडीओपी जावरा संदीप मालवीय, एसडीओपी किशोर पटनवाला, डीएसपी अजय सारवान, डीएसपी शेरसिंह भूरिया, निरीक्षक मुनेंद्र गौतम, निरीक्षक स्वराज डाबी, निरीक्षक पार्वती गौड़, निरीक्षक रंजीत सिंगार, निरीक्षक तूरसिंह डाबर आदि उपस्थित रहे।

अर्जुन इलेवन ने खिताब जितकर पाए 11 हजार एक सौ ग्यारह रू.

जावरा । क्रिकेट संघ के तत्वावधान में सीमित ओवर क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 18 से 25 मई तक हुआ। जिसमें अर्जुन इलेवन एवं मुन्ना इलेवन के बीच में फाइनल खेला गया। जिसमें विजेता के रूप में अर्जुन इलेवन ने सफलता प्राप्त की। शासकीय भगतसिंह महाविद्यालय में आयोजित प्रतियोगिता के फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के ग्रुप में अभय कोठारी, डॉ. दिलीप शाकल्य, पार्षद शिवेन्द्र माथुर एवं मुकेश तोमर उपस्थित हुए। विजेता को 11111/- रू. एवं उपविजेता 5555/- रू. का पुरस्कार वितरित किया। जावेद उर्फ भय्यू वाटसन को बेस्ट बॉलर का पुरस्कार दिया गया एवं मैन ऑफ सीरीज के रूप में वसीम पिपलौदा को 1111/- रू. रुपये नगद पुरस्कार प्रदान किया गया ।जावरा क्रिकेट संघ को संचालित करने वाले वर्तमान में दिनेश चौहान एवं मनोज पांडे ने अतिथियों का आभार माना। प्रतियोगिता को सफल बनाने में छोटू बना, जीतू, पवन, सुभाष, निखिल, अजय, तरुण लुहारी, त्रिलोक उत्तराखंड का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ एवं समस्त जावरा क्रिकेट संघ के साथियों ने इस आयोजन को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। जो की 2025 में सफलतापूर्वक समापन हुआ। अतिथियों का स्वागत एवं आभार दिनेश चौहान एडवोकेट एवं मनोज पांडे एडवोकेट ने माना।

लायंस क्लब नागदा ग्रेटर को जोधपुर में आयोजित मल्टीपल कॉन्फ्रेंस में मिला सर्वश्रेष्ठ क्लब का सम्मान

नागदा जं. निप्र। लायंस क्लब नागदा ग्रेटर के अध्यक्ष अशोक बिसानी ने बताया कि लायंस क्लब नागदा ग्रेटर के 30 वर्षों के इतिहास में इस सत्र 2024-25 में लायंस क्लब नागदा ग्रेटर को कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त हुई है। बिसानी ने बताया कि द्वितीय अध्यक्ष कार्यकाल में इस बार क्लब अभी तक पूरी डिस्ट्रिक्ट में सर्वाधिक गतिविधियां कर प्रथम स्थान पर है, व क्लब के इतिहास में पहली बार पीएमजेएफ लायन पंकज मारु को द्वितीय वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बनाकर विजय श्री प्राप्त की है। इस माह 24-25 मई 2025 को जोधपुर में आयोजित आठवीं मल्टीपल कॉन्फ्रेंस -जुनून- जिसमें भारत के तीन प्रदेशों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ से करीब 850 क्लबो में लायंस क्लब नागदा ग्रेटर को बहुप्रांतीय दिव्यांग कल्याण कार्यक्रम के लिए पूरे 850 मल्टीपल के क्लबो में लायंस क्लब नागदा ग्रेटर को सर्वश्रेष्ठ क्लब के पुरस्कार से सम्मानित किया गया व इसी कार्यक्रम में लायंस क्लब नागदा ग्रेटर के निर्वाचित द्वितीय वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पीएमजेएफ लायन पंकज मारु को सर्वश्रेष्ठ प्रांतीय समन्वयक के पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। इन सभी उपलब्धियों के लिए अध्यक्ष अशोक बिसानी ने लायंस क्लब ग्रेटर के सभी सम्माननीय पदाधिकारी एवं सदस्यों को बहुत-बहुत बधाईया एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है ।

सीएमओ चेंबर के बाहर रहवासियों ने दिया धरना, फिर रतलामी गेट किया जाम

जावरा । नगर पालिका जावरा द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों की पानी निकासी के लिए जहां नये नालों का निर्माण कार्य करवा रही है वहीं पुराने नालो का मरम्मत कार्य भी करवा रही है।

करोड़ो रूपए की लागत से विभिन्न वार्डों में यह कार्य चल रहा है, किंतु तकनीकि मॉनिटरिंग न होने से निर्माण कार्य करवा रहे ठेकेदारों के द्वारा मनमानी की जा रही है। यदि इसी तरह गुणवत्ताविहीन कार्य होता रहा तो जैसे पूर्व में करवाए गए नगर की कांक्रीट सड़के उखड़ गई है, उसी तरह निर्माणधीन नाली और नालों के निर्माण कार्यों की पोल खुल जाएगी और निर्माण पर व्यय होने वाले लाखों करोड़े रूपए की राशि पानी में बह जाएगी। ऐसी ही एक लापरवाही रतलामी गेट से खाचरोद नाका तक बनी करोड़े रूपये की घटिया नाली निर्माण देखने में आ रही है। जिसके चलते इंकबालगंज यादव मोहल्ले के लोग परेशान है। रहवासियों ने मंगलवार को मुख्य नगर पालिका अधिकारी के चैंबर के बाहर समस्या के निराकरण को लेकर धरना दे दिया। सीएमओ दुर्गा बामनिया बीमार होने के चलते इन दिनों अवकाश पर है। ऐसे में जिम्मेदारे के द्वारा सही आश्वासन नही मिलने से पीड़ित रहवासी रतलामी गेट पहुंचे और जाम कर दिया। सूचना मिलते ही तहसीलदार संदीप इवने मौके पर पहुंचे और रहवासियों को धरना खत्म करने के लिए कहां। लंबी जद्दोजहद के बाद रहवासी माने और रतलामी गेट चौराहे से आवागमन प्रारंभ हुआ।

रहवासियों ने तहसीलदार को सुनाई पीड़ा

जाम के चलते गौशाला रोड़ और लक्ष्मी बाई रोड़ के साथ सागर पेशा तरफ जाम लग गया। रहवासियों ने तहसीलदार से कहा कि नई नाली निर्माण नियमों के विरूद्ध हुआ है जिसके चलते नालिया चौक पड़ी हुई है। नगर पालिका द्वारा सीसी रोड़ का तो निर्माण कर दिया लेकिन इस निर्माण के बाद इकबाल गंज की तरफ की सडके निची हो गई है।

जिसके चलते बारिश और नाली का पानी इकबाल गंज तरफ आ रहा है और घरो में घुस रहा है।

तहसीलदार ने किया भ्रमण

धरना समाप्ती के बाद तहसीलदार संदीप इवने रहवासियों के साथ इकबाल गंज और यादव मोहल्ले का भ्रमण किया। उन्होने भी देखा कि नालिया चौक पड़ी है। साथ में आए नपा इंजीनियर शुभम सोनी ओर लोकेश विजय को सफाई करवाने के आदेश दिए।

शीघ्र होगा निर्माण

नपा इंजीनियर शुभम सोनी का कहना है कि इकबाल गंज गली की रोड़ निर्माण के टेंडर हो चुके है। शीघ्र ही रोड़ का निर्माण होगा। इकबालगंज की नई सड़क बनने के बाद यह रोड़ भी अस्तालत रोड़ के बराबर उंचा हो जाएगा। ताकि भराव की समस्या कम हो ।

श्री राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी ने नगर प्रवास पर श्री रामानुज सम्प्रदाय के हैदराबाद स्थित जीवा वैदिक गुरुकुलम आचार्यो का स्वागत किया

नागदा जं. निप्र। श्री रामानुज स्वामी के हैदराबाद स्थित जीवा वैदिक गुरुकुलम आचार्य का नगर प्रवेश हुआ, सूचना देने पर राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी के सदस्य गण आदिनाथ कॉलोनी स्थित भवन पर एकत्रित हुए। प्रदेश उपाध्यक्ष हेमंत त्रिपाठी ने बताया हैदराबाद में रामानुजन संप्रदाय का विश्वस्तरीय विशाल वैदिक गुरुकुल

है जहां बच्चों एवं विद्यार्थियों को वैदिक शिक्षा दी जाती है। आचार्य से समय-समय पर संवाद होता है, नगर प्रवेश पर आचार्य श्री गोवर्द्धन जी, श्री भूपति द्विवेदी, कपिल दुबे, पुनीत जी, धीरज जी के दर्शन का लाभ मिला, इस अवसर पर युवा वाहिनी सदस्यों द्वारा जहाँ पर श्री राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी द्वारा स्वागत के उपरांत चर्चा की गई।

नागर ब्राह्मण प्रदेश परिषद् नागदा का मिलन समारोह टकरावदा में सम्पन्न, नवीन कार्यकारिणी का गठन, तिरंगा रैली निकाली

नागदा जं. निप्र। मप्र नागर ब्राह्मण परिषद शाखा नागदा की नवीन कार्यकारिणी का मिलन समारोह ग्राम टकरावदा में रविवार को आयोजित किया गया जिसमें नवीन पदाधिकारियों को दायित्व सौपकर उनका सम्मान किया गया। अध्यक्ष अनिल नागर ने बताया कि नागर ब्राह्मण समाज के चुनाव के बाद समाज का मिलन समारोह रखा गया जिसमें नवीन कार्यकारणी की घोषणा भी की गई। नवीन कार्यकारणी में सचिव संजयजी मंडलोई, उपाध्यक्ष दुर्गेश नागर शिवनारायणजी नागर, सहसचिव कपिल त्रिवेदी, कोषाध्यक्ष गौरव वैद्य, सहकोषाध्यक्ष राजेश मेहता, सांस्कृतिक सचिव धर्मेंद्र नागर, सोशल मीडिया प्रभारी महेंद्र नागर को नियुक्त कर समाज को नई दिशा एवं आगे बढ़ाने के लिए दायित्व दिया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ पर बाबा महांकाल को माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन किया गया। कार्यक्रम में नागर समाज के वरिष्ठो के सम्मान के बाद नवनियोजित सदस्यों को उनके दायित्व सोपे गए। तत्पश्चात कार्यक्रम समापन अवसर पर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर समाजजनों द्वारा तिरंगा रैली सैनिकों के सम्मान पर निकाली गई।

24 घंटे के भीतर शहर पुलिस ने पकड़ा चोरी का आरोपी

जावरा। शहर पुलिस ने 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी का मश्रुका बरामद किया । आरोपी से चोरी का मश्रुका सोने चांदी की रकम कुल कीमती करीबन 54 हजार रुपये का मश्रुका भी जप्त किया। फरियादीया मोहम्मद वसीम पिता नजर मोहम्मद, 34 साल निवासी हम्मालपुरा जावरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि मै व मेरी पति नाजीया बी घर पर ताला लगाकर शादी कि खरीददारी करने रतलाम चले गए। 4 बजे जब मे रतलाम से वापस आया लोटा और घर का ताला खोला और घर मे गया और देखा तो एक व्यक्ति मेरे कमरे कि खिडकी से गलीयारे मे कुदा व सिढीयो से छत के उपर कि ओर भागा। मै भी उसके पिछे-पिछे उपर गया तो भागने वाला व्यक्ति हमारे पडोस के मकान की छत पर कुदा जिसको मैने चेहरे से पहचान लिया। वह मेरे मोहल्ले का रहने वाला फरदीन पिता फिरोज था जो गली मे से कुदकर भाग गया फिर मै वापस कमरे मे आया तो देखा की मेरी गोदरेज की अलमारी का ताला टुटा होकर कपडे बिखरे हुए थे मैने सामान चैक किया तो उसमे से मेरी पति को दहेज मे मिली 5.4 ग्राम लगभग सोने की बाली व 01 पायजेब 100 ग्राम लगभग की नही थी तथा मेरा ड्रायविंग लायसेन्स भी नही था मेरे घर कि खिडकी तौडकर फरदीन मेरे घर मे घुसकर उपरोक्त सामान चुराकर ले गया है। रतलाम पुलिस अधीक्षक अमित कुमार एवं अति.पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा ने घटना की गंभीरता को समझते हुए तत्काल नगर पुलिस अधीक्षक दुर्गेश आर्मो ने थाना प्रभारी जावरा शहर निरीक्षक जितेन्द्र सिह जादौन को घटना के हर पहलु पर जांच करने के निर्देश दिए। मामला जावरा शहर के सचन आबादी क्षेत्र मे हो रही चोरी का होने से थाना प्रभारी जावरा शहर जितेन्द्र सिह जादौन द्वारा टीम को सक्रिय कर साक्ष्य जुटाये गये एवं चोरीयो पर नकेल कसने तथा आरोपी की गिरफ्तारी हेतु टीम का गठन किया गया । गठीत की गई टीम द्वारा लगातार सीसीटीवी फुटेज तथा तकनिकी संसाधनो का उपयोग कर साक्ष्य जुटाये जाकर मुखबिर सुचना पर बरगुंडापुरा छीपापुरा मस्जिद के पास जावरा से आरोपी फरदीन पिता फिरोज जाति हम्माल उम्र 21 साल निवासी हम्मालपुरा जावरा को गिरफ्तार कर आरोपी से चोरी गया मश्रुका 5.4 ग्राम लगभग सोने की बाली व 01 पायजेब 100 ग्राम लगभग किमती करीबन 54,000 रुपये का बरामद किया। आरोपीयो से अन्य संपत्ति संबंधित अपराधो के संबंध मे पुछताछ की जा रही है । उक्त कार्रवाई में निरीक्षक जितेन्द्र सिह जादौन ,सउनि सगीर खान , प्रआर मृदंग सातपुते , आरक्षक मोहित , आरक्षक विष्णु, आरक्षक रणजीत व सायबर सेल रतलाम आरक्षक विपुल भावसार की सराहनीय भुमिका रही।

जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल मे अंग्रेजी भाषा की अनिवार्यता सरकार के प्रयासो की मंशा के विपरीत

सेंधवा। केन्द्र शासन द्वारा म.प्र. मे जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल भोपाल मे स्थापित करने के आदेश जारी किए है। लेकिन अपील से संबंधित सभी दस्तावेज अंग्रेजी मे प्रस्तुत किए जाने की अनिवार्यता की गई है, जो आम करदाता के हित मे नही होकर प्राकृतिक न्याय के भी विपरीत है।

वरिष्ठ कर सलाहकार एवं अधिवक्ता बी.एल. जैन ने इस मामले को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय, केन्द्रीय वित्त मंत्री एवं म.प्र. के मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित कर अंग्रेजी मे दस्तावेज प्रस्तुत करने की अनिवार्यता को समाप्त करते हुए हिन्दी मे भी अपील प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान किए जाने हेतु संशोधित अधिसूचना जारी करने की मांग की है। आपने पत्र मे लिखा है कि हिन्दी हमारी आधिकारिक एवं राष्ट्रभाषा है। आधिकारिकभाषा का प्रयोग सरकारी कामकाज और प्रशासन के लिए किया जाता है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 343 देवनागरी लिपी मे हिन्दी और अंग्रेजी को संघ की आधिकारिक भाषाओं के रूप मे निर्दिष्ट करता है। इसके विपरीत हिन्दी भाषा को दुसरे स्थान का दर्जा देकर इसकी अनदेखी करते हुए अंग्रेजी मे दस्तावेज प्रस्तुती के आदेश हमारी राष्ट्र भाषा की गरिमा और अधिकारो को भी कम करती है। म.प्र. की स्थिती यह है कि वर्तमान मे कई कर सलाहकारो से लेकर व्यापारी वर्ग तक पूर्णतः अंग्रेजी

भाषा के जानकार नही है ऐसी स्थिती मे अपीलेट ऑथोरिटी के समक्ष अंग्रेजी की बाध्यता होने के कारण वह अपना पक्ष सही ढंग से प्रस्तुत नही कर सकेगा तो वह न्याय से वंचित रह जाएगा। श्री जैन ने कहा कि वर्तमान मे उच्च न्यायालय/आयकर ट्रिब्यूनल/म.प्र. वाणिज्यिक कर अपील बोर्ड के समक्ष जो अपील प्रस्तुत की जाती है वह भी हिन्दी मे प्रस्तुत की जा सकती है तो फिर जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल के समक्ष हिन्दी मे अपील क्यो नही की जा सकती है? एक ही देष की न्याय व्यवस्था मे हिन्दी एवं अंग्रेजी के नाम पर पृथक-पृथक दो मापदण्ड कैसे अपनाए जा सकते है ? निश्चित ही यह आम करदाता के संवैधानिक अधिकारो हनन है। यहां यह उल्लेखनीय है कि आयकर ट्रिब्यूनल की अधिकृत भाषा अंग्रेजी है लेकिन इस संबंध मे केन्द्र शासन ने आयकर अधिनियम की धारा 255(5) के तहत एक अधिसूचना जारी की है जिसके अनुसार गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, पंजाब, म.प्र., राजस्थान, बिहार, केन्द्र शासित प्रदेष चंडीगढ़, दिल्ली मे हिन्दी भाषा के उपयोग की अनुमति प्रदान की है जहां प्रकरण मे अपील की प्रस्तुती हिन्दी मे की जा सकती है यहीं नही प्रकरण की प्रोसेडिंग एवं आदेश भी हिन्दी भाषा मे जारी किए जा सकते है, फिर जीएसटी मे अंग्रेजी की बाध्यता क्यों ? जब केन्द्र शासन आयकर ट्रिब्यूनल मे हिन्दी भाषा मे अपील प्रस्तुती की अनुमति प्रदान कर सकता है तो जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल मे अंग्रेजी भाषा की बाध्यता क्यों ? श्री जैन ने कहा कि केवल अंग्रेजी भाषा मे अपील करने के प्रावधान से हालात यह बनेंगे कि करदाता के पास उपलब्ध साक्ष्य को हिन्दी से अंग्रेजी मे अनुवाद करवाना होगा जो खर्चीला तो होगा ही छोटे शहरो मे अंग्रेजी अनुवादको की उपलब्धता नही होती है जिससे अनुवाद करने मे कर सलाहकारो को बड़े शहरो मे जाकर अनुवाद करवाना होगा जो अनावश्यक परेशानी का कारण तो बनेगा ही इससे करदाता के उपर अनावश्यक खर्चे का भार भी बढेगा। इसके अलावा यदि किसी तथ्य को अनुवादक ने सही रूप मे अनुवाद नही किया तो इसका खामियाजा आम करदाता को भुगतना होगा, जिससे वह न्याय पाने से वंचित रह सकता है ? श्री जैन ने कहा कि भारत सरकार हिन्दी भाषा को प्राथमिकता देकर इसको बढावा देने के लिए सतत् प्रयास कर रही है, बावजुद इसके अपीलेट ट्रिब्यूनल मे अंग्रेजी भाषा की अनिवार्यता सरकार के प्रयासो की मंशा के विपरीत है। न्यायहित मे आपने हिन्दी मे भी अपील प्रस्तुती हेतु अधिसूचना जारी करने हेतु मांग की है।

मल्हारगंज तहसील भवन 1 साल से उद्घाटन के इंतेजार में

20 गांव के किसानों को लगाना पड़ रहा 20 किमी का चक्कर, कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

इंदौर। सुपर कारीडोर के समीप भवरासला में मल्हारगंज तहसील भवन बनकर लंबे समय से तैयार है, इसके उद्घाटन में लेटलतिफि होने से यहां के ग्रामीणों में रोश है कलेक्टर कार्यालय में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा, जिसमें मांग की जा रही है कि नए भवन में तहसील कार्यालय शुरू किया जाए।

मल्हारगंज तहसील में छोटा व बड़ा बगडदा, कुमेडी सहित तकरीबन 20 गांव शामिल है। किसानों का कहना है कि मल्हारगंज तहसील मुख्यालय का नया भवन साल भर से बनकर तैयार इसके बाद भी यहां कार्य नहीं शुरू हुआ है । किसानों को कलेक्टर कार्यालय की

लंबी दूरी तय करना पड़ रही है। कल20 गांवों के किसान कल कलेक्टर कार्यालय पर इकट्ठा होकर देंगे ज्ञापन दिया।

किसानों ने दी चेतावनी आवेदन निवेदन करेंगे किसान कमल सिंह डाबी ने बताया कि मल्हारगंज तहसील से जुड़े हुए गांव के लिए विडंबना है कि तहसील की घोषणा हुए कई साल गुजर गए, साल भर से भवन तैयार है उद्घाटन के इंतजार में हैं, इसके बाद भी 20 गांव के निवासियों को अपने काम के लिए कई किलोमीटर का चक्कर लगाकर कलेक्टर कार्यालय जाना पड़ता है इससे किसानों को समय के साथ पैसे की भी बर्बादी होती हैकिसान वीरेंद्र सिंह चावड़ा एवं बड़ा बांगड़दा के संतोष सुनेर कहते हैं कि मल्हारगंज तहसील कार्यालय का भवन साल भर से बनकर तैयार हो गया है। इसके बाद भी इसका शुभारंभ नहीं किया गया है इसके कारण ग्रामीण परेशान हो रहे हैं इन्हीं सब बातों को लेकर मंगलवार को दोपहर में मल्हारगंज तहसील से जुड़े हुए गांव बड़ा बांगड़दा पलाखेड़ी लिंबोदा गारी बरदारी भंवरासा रेवती बरदारी नैनोद कुमेडी भानगढ़ आदि गांव के किसान कलेक्टर कार्यालय पर ज्ञापन दिया। इस अवसर पर संतोष सुनेर, शंकर पटेल, राहुल तंवर, विष्णु जाधव, विरेन्द्र पछवाया, अनिल पटेल, जितेन्द्र जाधव, शशिकांत जोशी, मुकेश पटेल आदि शामिल हुए।

मालवा मिल से जंजीर वाला चौराहा क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

08 ट्रक से अधिक माल किया जब्त, 4 ट्रक टू व्हीलर एवं 4 ट्रक सामान किया जप्त

इंदौर । आयुक्त श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने हेतु राजस्व अमला, पुलिस एवं नगर पालिक निगम इंदौर द्वारा मालवा मिल चौराहा से जंजीर वाला चौराहा एवं आसपास के क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान एसडीएम, अपर आयुक्त श्रीमती लता अग्रवाल, रिमूवल विभाग के श्री बबलू कल्याणे एवं पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन निगम प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस दौरान नगर निगम एवं पुलिस विभाग द्वारा सड़क पर किए गए अवैध अतिक्रमण, 25 टीन शेड आदि को हटाया गया। यातायात पुलिस एवं नगर निगम की रिमूवल टीम द्वारा 8 ट्रक सामान जब्त कर आवश्यक कार्रवाई की गई, जिसमें 4 ट्रक में टू व्हीलर वाहन एवं 4 ट्रक सामग्री जप्त की गई। इसके अलावा, ट्रैफिक पुलिस विभाग द्वारा सभी दुकानदारों को सख्त चेतावनी दी गई कि भविष्य में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण पाया जाता है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शनिदेव पालकी में सवार होकर भक्तों का दर्शन देने निकले

इंदौर। खंडवा रोड स्थित मोरोद शनि मंदिर में शनि पालकी यात्रा निकाली जिसमें शनिदेव पालकी यात्रा में सवार होकर भक्तों को दर्शन देने निकले, 3 किलोमीटर लंबी चुनरी भी चढ़ाई। आयोजन प्रमुख रमन *धूलधोये,प्रमोद धूलधोये ने बताया कि शनि मंदिर में सुबह भगवान शनि देव को छप्पन भोग लगाया, उसके बाद महाआरती हुई, मंदिर परिसर से शनि पालकी यात्रा निकली, जिसमें भगवान शनि देव पालकी में सवार होकर भक्तों को दर्शन देने निकले, भक्तों ने फूलों की पंखुड़ियां बरसा कर आरती उतारी। यात्रा के दौरान भक्त 3 किलोमीटर लंबी चुनरी लेकर भी चल रहे थे जो चढ़ाई गई,इसमें हजारों भक्त सम्मिलित हुए।

बिजली कंपनी के एमडी श्री सिंह ने इंदौर शहर के चार ग्रिडों का निरीक्षण किया

इंदौर। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक (एमडी) श्री अनूप कुमार सिंह ने मंगलवार अपराह्न शहर में चार अलग अलग स्थानों पर पहुंचकर 33/11 केवी ग्रिडों का निरीक्षण किया। मेंटेनेंस के कार्यों, ट्रिपिंग में कमी इत्यादि के संबंध में जानकारी ली। श्री सिंह ने उत्तर शहर संभाग के अधीन ईएसआई ग्रिड और एलआईजी ग्रिड देखे। यहां ग्रिडों से प्रदाय की जाने वाली बिजली एवं ग्रिडों में क्षमता वृद्धि, मेंटेनेंस के कार्यों के संबंध में जानकारी। इस दौरान बताया गया कि दोनों ही ग्रिडों से विजय नगर, मालवा मिल, इलेक्ट्रानिक कॉम्प्लेक्स जोन से जुड़े हजारों उपभोक्ताओं को बिजली प्रदाय की जाती हैं। एमडी ने पूर्व शहर संभाग के अधीन शालीमार एवं महालक्ष्मी ग्रिडों का भी निरीक्षण किया। ग्रिडों के मेंटेनेंस, स्वच्छता, इंसुलेटर, वीसीबी, सीटी-पीटी के साथ ही प्रोटोकॉल के पालन इत्यादि की जानकारी ली। ग्रिडों के आपरेटर श्री गोविंद आल्वे और श्री दीपेश चौहान से श्री सिंह ने ट्रिपिंग की जानकारी लेने के साथ ही ग्रिडों पर संचालित पूरे सिस्टम के बारे में पूछताछ की। दोनों ही ऑपरेटरों से मिले उत्तर से वे संतुष्ट हुए। श्री सिंह ने शहर के इंजीनियरों से ट्रिपिंग में सतत कमी, बिजली वितरण की गुणवत्ता में सतत सुधार और उपभोक्ता शिकायत निवारण के प्रति गंभीरता रखने के साथ ही फोन समय पर उठाने, मेंटेनेंस संबंधी सूचना समय पर उपभोक्ताओं को एसएमएस, वाट्सएप ग्रुपों इत्यादि माध्यमों से देने के निर्देश दिए। एमडी श्री सिंह के दौरे के अवसर पर मुख्य अभियंता कार्य श्री एसएल करवाड़िया, शहर अधीक्षण यंत्री श्री मनोज शर्मा, कार्यपालन यंत्री श्री विनय प्रताप सिंह, श्री डीके तिवारी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इंदौर गारमेंट्स ऐसोसीऐसन द्वारा बांग्लादेशी और चीनी कपड़े की होली जलाई और बांग्लादेशी और चीनी कपड़े नहीं बचने की कसम दिखाई

मांगलियागांव स्टेकशन के पास स्थित समपार संख्यान 45 होगा स्थाई रूप से बंद

इन्दौर। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल संरक्षा, सुरक्षा एवं गति को ध्या न में रखकर कार्यों को काफी तेजी से किया जा रहा है।

इसके लिए समपार फाटकों के स्था न पर रोड ओवर ब्रिज/रोड अंडर ब्रिज का निर्माण कर सड़क उपयोगकर्ताओं को निर्बाध एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा भी उपलब्धा कराई जा रही है। इसी क्रम में देवास-इंदौर खंड में मांगलियागांव स्टेशन यार्ड स्थित समपार संख्या् 45 के स्थाखन पर रोड ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य शीघ्र ही आरंभ किया जाना प्रस्तावित है। रोड अंडर ब्रिज निर्माण कार्य आरंभ किये जाने के कारण 30 मई, 2025 को 11.00 बजे से समपार संख्याल 45 से आवागमन स्थाई रूप से बंद करने का निर्णय रेल प्रशासन द्वारा लिया गया है। इस दौरान सड़क उपयोगकर्ता के लिए वैकल्पिक मार्ग की सुविधा उपलब्धं कराई गई है। मांगलिया से सांवेर की ओर जाने के लिए मांगलिया से एन.एच. 52 - क्षिप्रा (बूढ़ी बरलाई) -हतुनिया - सांवेर मार्ग एवं उज्जैन से जुड़े अन्यप जिलों के लिए वैकल्पिक मार्ग मांगलिया मार्ग से एन.एच. 52 क्षिप्रा - क्षिप्रा(देवास)-एनएच 752 डी(क्षिप्रा उज्जै न बायपास रोड)-उज्जैन से आवागमन कर सकेंगे। इस संदर्भ में पुनः अवगत कराया जाता है कि 30 मई, से समपार संख्या। 45 से सड़क आवागमन स्थाआई रूप से बंद किया जा रहा है तथा इस दौरान सड़क उपयोगकर्ता उपरोक्ति वैकल्पिक मार्ग का उपयोग अपनी सुविधानुसार कर सकते हैं।

पुलिसकर्मियों के स्वास्थ व तनावमुक्ति के प्रयास

इंदौर (मनीष शर्मा)। पुलिस की व्यस्त व चुनौतीपूर्ण ड्यूटी के चलते, पुलिसकर्मियों को तनाव मुक्त करने तथा उन्हें शारिरिक व मानसिक रूप से मजबूत बनाने हेतु पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार पुलिस कमिश्नर के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश पुलिस व हार्टफुलनेस संस्था के तत्वाधान में तीन दिवसीय मेडिटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन किया जा रहा है। जिसमें हार्टफुलनेस संस्था के प्रशिक्षकगण द्वारा हार्टफुलनेस मेडिटेशन का प्रशिक्षण व जानकारी दी जा रही हैं। विभाग से

मिली जानकारी के अनुसार27 मई को पुलिस कमिश्नर कार्यालय में तथा रक्षित केंद्र नगरीय इंदौर मे ध्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हार्टफुलनेस संस्थान के प्रशिक्षकगण द्वारा हार्टफुलनेस क्या है, इस संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए बताया कि, अपनी वास्तविक प्रकृति की प्रसन्न एवं पुलकित अवस्था का अनुभव करना ही, हार्टफुलनेस मेडिटेशन है।

यह एक बहुत ही सरल, आसान और प्रभावशाली तरीका हैं जिसे आराम से अपने घर पर बैठकर रोजाना किया जा सकता है। तीन दिवसीय उक्त प्रशिक्षण शिविर में आज ध्यान करने की प्रक्रिया सिखाई गई, जिसमें आगे क्लीनिंग व हीलिंग आदि के बारे में ज्ञान प्रदाय किया जाएगा।इसमे बताया कि हार्टफुलनेस के नियमित अभ्यास से जीवन मे आनें वाले तनाव से मुक्ति मिलती है एवं मानसिक व शारीरिक स्वास्थ सुदृढ होता है। जीवन मे सकारात्मकता एवं उत्साह का समावेश होता है, हमे इसका अभ्यास नियमित करना चाहिए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त मुख्यालय श्रीमती सीमा अलावा व कमिश्नर आफिस का कार्यालयीन स्टाफ तथा रक्षित केंद्र में सूबेदार उज्मा खान, सूबेदार पूजा पाटीदार, सूबेदार गजेंद्र निगवाल सहित रक्षित केंद्र व ट्राफिक थाना पश्चिम के पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहें, जिन्होंने उक्त प्रशिक्षण प्राप्त कर, उसे अपने जीवन मे नियमित रूप से शामिल करने हेतु प्रेरित होकर, प्रशिक्षण लिया।

4 जून 2025 को जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिशिप मेले का आयोजन

रतलाम। जिला रोजगार अधिकारी श्री यू पी अहिरवार द्वारा बताया गया कि सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग व तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं रोजगार कार्यालय द्वारा युवा संगम अंतर्गत जिला स्तरीय, रोजगार एवं अप्रेंटिशिप मेले का आयोजन 4 जून 2025 को शासकीय आईटीआई सैलाना रोड रतलाम में किया जाएगा। जिसमें बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र की कंपनियों में अप्रेंटिशिप एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे साथ ही स्वरोजगार योजनाओं के तहत विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा हितग्राहियों को उनके हितलाभ वितरण किए जाकर अलग अलग स्वरोजगार योजनाओं के बारे में मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। शैक्षणिक योग्यता 8 वीं उत्तीर्ण से स्नातक, एवं आईटीआई उत्तीर्ण तथा 18 से 45 वर्ष तक के युवा आवेदन कर सकते है। इच्छुक आवेदक युवा संगम मेले में 4 जून को प्रात: 10 बजे से 3 बजे तक शासकीय आईटीआई सैलाना रोड रतलाम में अपने फोटो, शैक्षणिक योग्यताओं के मूल प्रमाण पत्र, रोजगार पंजीयन, 2 पासपोर्ट साइज फोटो एवं आधार कार्ड की छायाप्रति, समग्र आईडी एवं बायोडाटा के साथ उपस्थित हो सकते है।

सीएमएचओ ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा की

रतलाम। समय सीमा बैठक में कलेक्टर राजेश बाथम के निर्देशानुसार सीएमएचओ डॉक्टर संध्या बेलसरे की अध्यक्षता में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण के संबंध में सी एम एच ओ कार्यालय जिला चिकित्सालय रतलाम पर बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान सीएमएचओ डॉक्टर संध्या बेलसरे ने सभी बी एम ओ को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा प्रसूति सहायता योजना के हितग्राहियों का भुगतान कर सी एम हेल्पलाइन मामलों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण दर्ज कराए। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाए ताकि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में कमी लाई जा सके। बैठक के दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ प्रमोद प्रजापति, जिला लेखा प्रबंधक सचिन वर्मा, एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉक्टर गौरव बोरीवाल, शाखा प्रभारी श्री सौरभ देवड़ा सभी विकासखंड के बीएमओ, बीपीएम, बीईई, बी सी एम आदि उपस्थित रहे।

नगर निगम कर्मचारियों ने दिखाई ईमानदारी : रतलाम में सड़क पर मिला 50 हजार रुपए से भरा बैग लौटाया; लोगों ने किया सम्मान

रतलाम। नगर निगम के वार्ड क्रमांक 1 के कचरा वाहन चालक और क्लीनर ने ईमानदारी की अनूठी मिसाल पेश की है। दोनों कर्मचारियों ने अलकापुरी चौराहे पर मिले 50 हजार रुपए, पर्स और आधार कार्ड से भरे बैग को उसके मालिक तक सुरक्षित पहुंचाया। घटना मंगलवार सुबह की है, जब रोटरी क्लब ऑफ रतलाम डायमंड के अध्यक्ष अश्विनी शर्मा अलकापुरी चौराहे से बाइक पर गुजर रहे थे। स्पीड ब्रेकर पर से गुजरते समय उनका बैग गिर गया, जिसमें भुगतान के लिए ले जा रहे 50 हजार रुपए थे। बैग नहीं मिलने पर वे औद्योगिक क्षेत्र थाने में शिकायत करने जा रहे थे, तभी उन्हें फोन आया। नगर निगम के कचरा वाहन चालक सुनील हरौड और उनके सहायक लखन चावरे को अलकापुरी चौराहे पर यह बैग मिला था। दोनों कर्मचारियों ने बैग में रखे आधार कार्ड पर दिए नंबर से शर्मा को संपर्क कर बैग लौटाया। इस ईमानदारी के लिए समाजसेवी सुरेश तंवर, नारू राठौड़ और दारोगा चंदन की उपस्थिति में दोनों कर्मचारियों का विशेष सम्मान किया गया।

पुलिस द्वारा नियम विरुद्ध ऑटो चालकों पर चालानी कारवाई जारी

रतलाम। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार (भा.पु.से.), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा (रा.पु.से.) उप पुलिस अधीक्षक यातायात आन्नद स्वरुप सोनी के निर्देशन में थाना प्रभारी का.निरी.नीलम चौंगड ने महु रोड बस स्टेण्ड व दिलबहार चौराहा ब्रीज के पास व रेल्वे स्टेशन व सैलाना बस स्टेण्ड पर ऑटो की चैकिंग की गई एवं चैकिंग के दौरान बीना युनिक नम्बर ऑटो व बीमा, फीटनेश, लाईसेंस, आदि कागज चैक किये गये जिन ऑटो के कागज कम्पलिट नही थे उन पर चालानी कार्यवाही की गई। चैकिंग के दौरान 04 ऑटो चालको के फीटनेस के व 02 ऑटो के बीमा के मो.वि. एक्ट के तहत चालानी कार्यवाही कर कुल-06 चालान बनाये जाकर कुल-18000/- रुपये समन शुल्क वसुला गया। यातायात पुलिस रतलाम द्वारा सभी वाहन चालको को हीदायत दी गई कि अपने वाहन निर्धारित ऑटो स्टेण्ड पर खडे करे व वाहन में क्षमता से अधिक सवारी अपने वाहन में नही बैठाकर सडक दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु यातायात पुलिस रतलाम का सहयोग करे।

एनसीसी शिविर में इप्का लेबोरेटरीस, रतलाम के द्वारा फायर सेफ्टी की दी कैडेटस को जानकारी

रतलाम।

21 मध्यप्रदेश बटालियन एनसीसी, रतलाम द्वारा आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 24 मई 25 से 02 जून 25 तक एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, सैलाना में आयोजित किया जा रहा है।

शिविर में कमान अधिकारी कर्नल संदीप अहलावत के नेतृत्व में प्रतिदिन सैन्य विषयो के प्रशिक्षण के अतिरिक्त सामाजिक विकास गतिविधियों एवं नागरिक सुरक्षा हेतु व्याख्यान एवं डेमो का आयोजन किया जा रहा है।

27 मई को इप्का लेबोरटीज, रतलाम के सीनियर फायर अधिकारी विकास बहुगुणा एवं सेफटी सुपरवाइजर जोगिन्दर सिंह लांबा द्वारा एनसीसी कैडैटस को आग लगने के कारण, बचाव और जान-माल की सुरक्षा की जानकारियाँ डेमो द्वारा दी गई। विकास कुमार ने बताया कि आग दो प्रकार से लगती है एक मानवीय एवं दूसरी तकनीकी एवं प्राकृतिक। मानवीय गलती के ही कारण जो आग लगती है उस पर प्रशिक्षण के द्वारा आसानी से काबू पाया जा सकता है। जबकि प्राकृतिक एवं तकनीकी त्रूटियों पर सावधानी रखने से काफी हद तक बचाव किया जा सकता है। जब आग लगती है तो उस पर अलग-अलग प्रकार के अग्निशमन यंत्रो का उपयोग किया जाता है। जैसे बिजली की आग पर ठोस कार्बन डाई आक्साईड डाली जाती है जो अन्य यंत्रों को नुकसान पहुचाएं बिना आग

पर काबू पा लेती है जबकि रायायनिक पदार्थो के कारण लगने वाली आग पर फोम (सल्फेट) का उपयोग किया जाता है जिससे आग पर तुरंत काबू पाया जा सकता है। जोगिंदर सिंह लांबा ने अलग-अलग सिलेडरो के द्वारा आग पर काबू पाने के तरीके एनसीसी कैडेटस को बताएं। और स्वंय कैडेट ने इस डेमो में भाग लेकर जलती हुई आग पर काबू पाया।

व्याख्यानमाला में कर्नल संदीप अहलावत द्वारा लैंगिक समानता विषय पर कैडेटस को जागरूक किया। उनके द्वारा बताया गया कि लैंगिक समानता का मतलब है सभी व्यक्तियों के लिए बिना किसी भेदभाव के समान अधिकार, अवसर और समान सुरक्षा प्रदान करना है। कर्नल अहलावत द्वारा व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए विभिन्न आवश्यक योग्यताओं के बारे में विस्तार से समझाया। इसके साथ ही बताया कि नेतृत्व कला को विकसित करने के लिए विभिन्न आवश्यक गुण जो एक लीडर बनने के लिए अतिआवश्यक होते है जैसे अनुशासन, समानता, अच्छा श्रोता, अच्छा वक्ता, सहनशीलता, शैक्षणिक योग्यता, परानुभूति, उर्जावान, आत्मविश्वासी, निष्पक्षता, सकारात्मक सोच, निर्णयात्मकता, इत्यादि गुणों का होना आवश्यक है।

इस दौरान सी/ओ सुरेन्द्र सिंह चैहान, सी/ओ विजय सिंह पुरावत, एस/ओ जाकिर खान, टी/ओ मदनलाल ओहरी, राकेश हारोड़, चंद्रप्रकाश सोलंकी, कौशल सिंह सहित पी.आई. स्टॉफ तथा कार्यालयीन स्टॉफ उपस्थित थे।

पूनम बैंक सखी के रूप में काम कर बनी लखपति दीदी

आर्थिक रूप से सशक्त होकर क्षेत्र में बनाई अपनी पहचान

रतलाम।

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा आजीविका परियोजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम करने के साथ ही लखपति बनाने के लिए ग्रामीण स्तर पर कार्य किया जा रहा है। उन्ही महिलाओं में शामिल है रतलाम जिले के आदिवासी बाहुल्य विकासखण्ड बाजना के सिंगत गाँव के निर्धन परिवार में जन्मी लखपति दीदी पूनम झोडिया।

पूनम ने बताया कि आजीविका परियोजना के समूह से जुडने के पहले उनका परिवार टूटी-फूटी झोंपडियों में रहकर दिन व्यतीत कर रहा था। एक समय ऐसा भी था कि पक्का घर और अन्य सुख सुविधाएं तो हमारे लिए सपना ही था। परिवार के सभी लोग मजदूरी करके गुजारा करते थे। स्व सहायता समूह से जुडने के बाद मैं बैंक सखी के रूप में कार्य करते हुए अब क्षेत्र में लखपति दीदी के रूप में पहचान बना चुकी हूं। अब मेरे परिवार की न्यूनतम आय लगभग 02 लाख रूपये प्रति वर्ष हो गई।

पूनम झोडिया ने अपने संघर्ष की कहानी बताते हुए कहा कि गरीबी से जूझते हुए एक दिन उन्हें मध्यप्रदेश शासन के आजीविका मिशन के अंतर्गत स्व-सहायता समूह के माध्यम से ऋण मिलने की जानकारी प्राप्त हुई। जानकारी मिलते ही वे चिकनी गाँव में जय सांवरीया सैठ आजीविका स्व-सहायता समूह से जुड़ गई। पहली बार 25000 रूपये समूह से ऋण लिया, उसे चुकाने के बाद 19 हजार रूपये का ऋण लिया, इस राशि से गाँव में बैंक बीसी पॉइंट खोलने के लिए दुकान किराये से ली, साथ ही लेपटॉप प्रिन्टर खरीदने के लिए समूह से ऋण लिया और कुछ पैसे अपने पास से मिलाकर बैंक बीसी पॉइंट की दुकान खोली। समूह के माध्यम से बैंक कार्य करने का प्रशिक्षण प्राप्त किया एवं सी.आर.पी. का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। उसके बाद पूरी कार्य कुशलता एवं मेहनत से कार्य करने पर आज परिवार की सालाना आय 2 लाख रूपए हो गई हैं। आजीविका सुदृढ़ होने से जीवन सुखी हुआ है। पूनम ने मध्यप्रदेश शासन द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए लागू की गई योजनाओं की तारीफ करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का धन्यवाद ज्ञापित किया।

जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड समिति की बैठक सम्पन्न

रतलाम। एमएसएमई योजना अंतर्गत उद्योगों के संवर्धन हेतु परामर्श एवं सुझाव के लिए कलेक्टर राजेश बाथम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड समिति की बैठक सोमवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में महाप्रबंधक उद्योग अमरसिंह मोरे सहित बोर्ड समिति के सदस्य उपस्थित थे। बैठक में मध्यप्रदेश एमएसएमई विकास नीति/योजना का क्रियान्वयन एवं जिला स्तर पर उद्योगों में आने वाली कठिनाईयों के निराकरण के संबंध में चर्चा की गई एवं आवश्यक निर्णय लिए गए। बैठक में महाप्रबंधक उद्योग श्री मोरे ने नीति/योजनाओं की पावर पाईट के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। मध्यप्रदेश एमएसएमई योजना अंतर्गत औद्योगिक भूमि तथा भवन आवंटन एवं प्रबंधन नीति 2025 की विस्तृत जानकारी दी गई। उद्योगपतियों द्वारा बैंक एवं विद्युत संबंधी समस्याओं से अवगत कराया गया। समस्याओ के निराकरण के लिए कलेक्टर श्री बाथम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

नेहरू जी की पुण्यतिथि श्रद्धा पूर्वक मनाई गई

रतलाम। देश के प्रथम प्रधानमंत्री आधुनिक भारत के निर्माता स्वर्गीय पं. जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि के अवसर पर शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी द्वारा सज्जन मिल चौराहा स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका पुण्य स्मरण किया गया। इस अवसर पर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष शांतिलाल वर्मा, कार्यक्रम के संयोजक पूर्व जिला योजना समिति सदस्य पूर्व पार्षद राजीव रावत, नगर निगम में वरिष्ठ पार्षद प्रदेश महिला कांग्रेस की कार्यवाहक अध्यक्ष श्रीमती यास्मीन शेरानी, नगर निगम में उप नेता कमरुद्दीन कछवाय, नगर निगम में कांग्रेस पार्षद दल सचेतक श्रीमती आशा राजीव रावत, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बसंत पंड्या, वीरेंद्र प्रताप सिंह, जीएच आरिफ, वहीद शेरानी, आरिफा, रश्मि महोलिया, रुखसाना खान, राजकुमार लाला, इकराम बेलूत, श्री निवास जादव, सुनील महावर, राजनाथ यादव, श्यामसुंदर शर्मा, संदीप नागर, कमल पांचाल, इकरार चौधरी, विजय पंड्या, अनिल नदेचा, साकिर भाई, प्रदीप राठौड़, राजेश प्रजापत, सोनू व्यास, हेमंत नेकां, सोनू व्यास, अमृत पंवार, मनोज खोईवाल, मदन पोरवाल, भरत सेन, रसीद अंसारी, युसुफ शाह, राजू जलवानी, आजाद तंवर, शेर खान, रत्न बहादुर, मोहनलाल, नारायण मरमट सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित थे।

जनसुनवाई में 89 आवेदन पर हुई सुनवाई

रतलाम।

कलेक्ट्रेट कार्यालय में आज मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर डा. शालिनी श्रीवास्तव ने आवेदकों से आवेदन प्राप्त किये। जनसुनवाई में 89 आवेदन प्राप्त हुए।

निराकरण योग्य आवेदनों का मौके पर ही उपस्थित विभागीय अधिकारियों से निराकरण करवाया गया एवं शेष आवेदनों का समय सीमा में निराकरण करने के लिए संबंधित विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया गया।

जनसुनवाई में मांगु बाई पति रामचन्द्र निवासी ग्राम भेसोला तहसील ताल जिला रतलाम ने कृषि भूमि पर अन्य व्यक्तियों द्वारा कब्जा किए जाने, विवाद करने एवं जान से मारने की धमकी देने की शिकायत की एवं उचित कार्यवाही करने हेतु आवेदन दिया। कल्याण पिता प्रभुलाल निवासी लालाखेंडा

तहसील जावरा जिला रतलाम ने विगत तीन माह से बंद वृद्धा पेंशन चालू करवाने के लिए आवेदन दिया। कन्हैयालाल पिता थावर निवासी बडोदिया तहसील जावरा जिला रतलाम ने भूमि का सीमांकन करवाने के लिए आवेदन दिया। नंदकिशोर पिता दुलीचंद पांचाल निवासी सुभाष नगर रतलाम ने भूखण्ड की लीज नवीनीकरण करवाने का आवेदन दिया। बाबूलाल पिता मोहन निवासी लूनेरा तहसील रतलाम ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत मकान निर्माण में गांव के ही निवासी बद्रीलाल पिता सिधुलाल, धर्मेंद्र पिता जगदीश द्वारा निरंतर विवाद कर मकान निर्माण में बाधा उत्पन्न करने की शिकायत की एवं विरोधियों पर कार्यवाही करने के लिए आवेदन दिया। शिवनारायण पिता केशुराम निवासी ग्राम बडावदा तहसील जावरा जिला रतलाम ने कृषि भूमि का अभिलेख दूरूस्त करवाने के लिए आवेदन दिया। महेश जोनवाल निवासी अंबेडकर नगर जावरा जिला रतलाम ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलवाने के लिए आवेदन दिया।

मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के साथ कौशल बढ़ाएं, भविष्य संवारें

रतलाम। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा युवाओं के रोजगार एवं स्वरोजगार हेतु मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना चलाई जा रही है। योजना के अंतर्गत आवेदन हेतु शैक्षणिक योग्यता 12वीं, आईटीआई तथा 18 से 29 वर्ष की आयु निर्धारित है। युवाओं को प्रशिक्षण के दौरान आपको 8,000 से 10,000 तक का मासिक स्टाइपेंड मिलेगा, जिसमें 75 प्रतिशत राशि राज्य सरकार और 25 प्रतिशत प्रतिष्ठान द्वारा दी जाएगी। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रमाण पत्र भी मिलेगा, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इच्छुक आवेदक अधिकारिक पोर्टल www.mmsky.माे;.gov.in पर पंजीयन कर आवश्यक दस्तावेज-आधार, पैन, बैंक पासबुक, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, फोटो आदि अपलोड कर अपनी रुचि के अनुसार प्रतिष्ठान/कोर्स का चयन आवेदन कर सकते है।

नौतपा का आज तीसरा दिन, उमस भरी गर्मी ने तपाया

रतलाम।

मई माह का आखरी सप्ताह गर्मी से तपा रहा है। नौतपा का आज तीसरा दिन है। सुबह से उमस के साथ तेज गर्मी है। हल्की हवा है लेकिन उमस भरी गर्मी का असर बना हुआ है। आसमान में सूरज की लुका छिपी के साथ धूप तो कभी छाव बनी हुई है।

रतलाम शहर में नौतपा चल रहा है। सुबह से तेज धूप के साथ गर्मी बरकरार है। हालांकि शहर समेत जिले में शाम के समय कभी

समय से पहले मानसून की होगी एंट्री, तापमान बढ़ने की संभावना

रिमझिम तो कभी तेज बारिश के बाद से लगातार तापमान में गिरावट हुई है। सोमवार को अधिकतम तापमान 39.2 डिग्री दर्ज हुआ था। जबकि न्यूनतम तापमान 25.0 दर्ज हुआ है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार रहने की संभावना है।

8 से 10 दिन पहले आ सकता है मानसून

इस बार प्रदेश में मानसून की दस्तक 8 से 10 दिन पहले होने की संभावना है। सोमवार को मानसून महाराष्ट्र के मुंबई, पुणे समेत कई शहरों में 15 दिन पहले ही पहुंच गया। मंगलवार को मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक एमपी समेत देश में होने वाली बारिश को लेकर पूर्वानुमान भी जारी करेंगे।

मौसम विभाग के अनुसार मानसून ने मुंबई, पुणे, कलबुर्गी, महबूबनगर, कावली समेत अमरतला, गोलपारा में दस्तक दी है। यहां मानसून के आने की सामान्य तारीख 10 जून तक है। मानसून की रफ्तार अभी ठीक है। यही रफ्तार रहती है तो मध्यप्रदेश में मानसून 4 से 7 जून तक आ सकता है।

15 जून से शुरू होता मानसून

प्रदेश में मानसून के की सामान्य तारीख 15 जून है।पिछले कुछ सालों से यह 18 से 22 जून के बीच ही पहुंच रहा है। पिछले साल 2024 में मानसून की 21 जून को एंट्री हुई थी। यह 6 दिन देरी से प्रदेश में पहुंचा था। इस बार जून के शुरुआत में ही मानसून के एंटर होने की उम्मीद है।

बेंगलुरु ने लखनऊ को 6 विकेट से हराया

IPL में अपना सबसे बड़ा स्कोर चेज किया ; जितेश ने 33 बॉल पर 85 रन बनाए

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने IPL इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा टारगेट चेज कर क्वालिफायर-1 में जगह बना ली। टीम ने सीजन के आखिरी लीग मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को 6 विकेट से हराया। इकाना स्टेडियम में मिली इस जीत के साथ RCB ने मौजूदा सीजन की पॉइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल किया है। अब टीम 29 मई को पंजाब किंग्स के साथ क्वालिफयर-1 खेलेगी।

बेंगलुरु ने IPL में अपना सबसे बड़ा टारगेट चेज किया है। टीम ने 228 रन का टारगेट 18.4 ओवर में 4 विकेट पर हासिल कर लिया। बेंगलुरु के कप्तान जितेश शर्मा ने 33 बॉल पर नाबाद 85 रन बनाए। जबकि मयंक अग्रवाल ने 23 बॉल पर नाबाद 41 रन की पारी खेली। दोनों ने 107 रन की साझेदारी की। विराट कोहली ने 54 रन बनाए। कोहली ने मौजूदा सीजन में 8वां और ओवरऑल 63वां IPL अर्धशतक लगाया है। वे IPL में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने के मामले में डेविड वॉर्नर (62 फिफ्टी) का रिकॉर्ड तोड़ा है। इकाना क्रिकेट स्टेडियम में बेंगलुरु ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। लखनऊ ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 227 रन बनाए। कप्तान ऋषभ पंत 61 बॉल पर नाबाद 118 रन की पारी खेली। उन्होंने 11 चौके और 8 छक्के लगाए। मिचेल मार्श (67 रन) ने भी अर्धशतक लगाया

वैभव सूर्यवंशी को नियंत्रण में रखना होगाःस्टीव वॉ

मुंबई। क्या वह अगले साल भी इसी तरह खेल पाएगा?, स्टीव वॉ ने भारत के सबसे नए आईपीएल बल्लेबाजी सनसनी वैभव सूर्यवंशी के बारे में बात करते हुए आश्चर्य व्यक्त किया, 14 वर्षीय की त्रुटिहीन टाइमिंग पर अविश्वास व्यक्त किया और उसे सुपरनोवा बनने से बचने के लिए नियंत्रण पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। ऑस्ट्रेलिया के इस दिग्गज पूर्व कप्तानने कहा कि सूर्यवंशी एक शानदार आकर्षण है, लेकिन उसे अपने भले के लिए जमीन पर रखने की जरूरत है, एक ऐसा विचार जो खेल के कई प्रशंसकों द्वारा दोहराया गया है। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 35 गेंदों में शतक बनाकर इतिहास रच दिया। उन्होंने 38 गेंदों पर 101 रन बनाए और यह आईपीएल में किसी भी भारतीय द्वारा बनाया गया सबसे तेज शतक था। वॉ ने जियोस्टार, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा आयोजित -ऑस्ट्रेलियाई समर ऑफ क्रिकेट 2025-26- में अनिल कुंबले, मैथ्यू हेडन और रॉबिन उथप्पा के साथ बातचीत में कहा, मैंने वह शतक देखा और मुझे यकीन ही नहीं हुआ?

प्रकाश क्लब की टीम ने दर्ज की जीत

इंदौर। प्रकाश क्लब और हॉकी यूनिट इंदौर की टीमों ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए समाजसेवी बंसीलाल सिलावट स्मृति जिला स्तरीय आमंत्रण हॉकी स्पर्धा में अपने-अपने मैच जीते। प्रकाश हॉकी क्लब के तत्वावधान में प्रतिवर्षानुसार आयोजित हो रही स्पर्धा के मुकाबले रेसीडेंसी क्षेत्र स्थित अभ्यास स्थल पर खेले जा रहे हैं। क्लब सचिव देवकीनंदन सिलावट ने बताया कि स्पर्धा में बड़ी संख्या में खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। स्पर्धा के दौरान सेंट्रल एक्साइज के एडिशनल कमिश्नर भोपाल मुख्यालय फर्राज अहमद कुरैशी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी ओर से खेल सामग्री भी भेंट की। कार्यक्रम में मयंक वर्मा, अक्षत यादव, करणसिंह कपूर, विवेक वर्मा, अभिनाष वर्मा, मोहित मेहरा को सम्मानित किया गया। इस दौरान सेंट्रल एक्साइज के इंस्पेक्टर विकास यादव, मीररंजन नेगी भी उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत चंकी कुमावत, अशोक यादव, सरवर खान, हलीम खान, जयदेव वाघ और बालकिशन रायकवार, सानिया खान, अक्सा खान ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रथमेशराजे सिलावट ने किया। स्पर्धा के दौरान बालिका वर्ग में हाकी यूनिट इंदौर ने आइएटीवी को 3-1 से हराया। विजेता टीम के लिए स्वीटी सिरसिया ने एक गोल और ईशा मालवीय ने दो गोल किए। आइएटीवी की ओर से रागिनी ने एक गोल किया। दूसरे मैच में प्रकाश क्लब ने आइएटीवी को 4-1 से हराया। विजेता टीम के लिए अवंतिका आठतिया ने तीन गोल दागे। सुमन कनेश ने एक गोल किया। विपक्षी टीम से एकमात्र गोल मीनाक्षी चौहान ने किया। बालक वर्ग में विवेक विद्या निकेतन और आइएटीवी स्कूल का मैच 1-1 से ड्रा रहा। अर्शलान खान और प्रिंस यादव ने एक-एक गोल किए।

अहिल्या बाई होलकर के 300 वे जन्म शताब्दी पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

इंदैर. लोकमता अहिल्या बाई होलकर के 300 वे जन्म शताब्दी पर अटल खेल परिसर में खिलाड़ियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 350 खिलाड़ियों ने भाग लिया । चित्रकला के लिए स्वतंत्रता सेनानी ,पर्यावरण, स्वच्छता वृक्षारोपण, अहिल्या माता जैसे विषय दिए गए थे। जिसमें प्रमुख 11 सर्वश्रेष्ठ चित्रों को पुरस्कार दिया गया । जिसमें रुद्रांश पाटिल , आर्यन मांडवीय, दर्शना जैन, नियति गांधी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बहुत ही खूबसूरत चित्र बनाए । पुरस्कार वितरण नगर निगम के स्थ्रष्ट मेंबर श्री राजेंद्र राठौर जी, श्री सुधीर कोल्है जी, भरत देशमुख जी, बद्री प्रसाद नागदा जी, विश्वामित्र अवॉर्ड वीरेंद्र पवार जी सुरेश लूनिया जी ने किया ,इस अवसर पर संजय चावला जी,संजय भदौरिया जी अमित शुक्ला सचिन देशमुख जी भी उपस्थित रहे ।

आठ जून को कायस्थ दिवस पर छात्रवृत्ति वितरण और शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन

इन्दौर। आगामी 8 जून को इंदौर प्रेस क्लब परिसर में श्री कायस्थ सभा तथा चित्रांश सहयोग एवं कल्याण समिति इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में कायस्थ गौरव दिवस मनाया जाएगा। संस्था के हिमांशु सक्सेना ने बताया कि इस अवसर पर शतरंज प्रतियोगिता एवं छात्रवृत्ति वितरण का आयोजन होगा। संस्था अध्यक्ष महेंद्र श्रीवास्तव के अनुसार शतरंज स्पर्धा तीन आयु वर्ग में होगी जिसमें 15 वर्ष से कम (बालक एवं बालिका), 15 वर्ष से 35 वर्ष युवा वर्ग में होगी जबकि तीसरा वर्ग 35 वर्ष से ऊपर (सीनियर वर्ग) में खिलाड़ी अपनी चुनौती पेश करेंगे। इनमें से विजेता आपस में खेलकर चित्रांश ग्रैंड मास्टर शतरंज चलित मंजूषा ट्राफी का विजेता चुनेंगे।

मध्यप्रदेश अंडर-11 ओपन और बालिका शतरंज चैंपियनशिप

इंदौर। इंदौर में ऑल इंदौर चेस असोसिएशन द्वारा आयोजित ओरियंटल युनिवर्सिटी मै खेली जा रही मध्यप्रदेश अंडर-11 ओपन और अंडर-11 बालिका शतरंज चैंपियनशिप 2025 का विधिवत उद्घाटन प्रोफेसर डॉक्टर ध्रुव घई एवम् प्रोफ़ेसर डॉक्टर सुधा बंगलुरकर ने शतरंज की चाल चलकर किया, इस अवसर पर अनिल फतेहचंदानी , प्रोफ़ेसर डॉक्टर प्रद्युम्न यादव,डॉ राजेंद्र मीणा व डॉक्टर सुप्रिया पाठक उपस्थित थे!

यह प्रतियोगिता आगामी राष्ट्रीय अंडर-11 ओपन और बालिका चैंपियनशिप के लिए मध्यप्रदेश टीम के चयन के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। तीन राउंड पूरे हो चुके हैं और अब तक के मुकाबलों में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने अपने बेहतरीन खेल से सबका ध्यान आकर्षित किया है। इंदौर, सागर, रतलाम, ग्वालियर, उज्जैन सहित कई जिलों से आए बाल खिलाड़ियों ने अपनी रणनीति और सूझबूझ का शानदार प्रदर्शन किया।

ओपन वर्ग में शीर्ष खिलाड़ियों का प्रदर्शन-तीन राउंड के बाद चार खिलाड़ी – गुप्ता कबीर (इंदौर), अनिमेष यादव (सागर), नमन डाफरिया (रतलाम) और दक्षित सोडानी (इंदौर) – 3 में से 3 अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान पर हैं। वहीं, वेद नायर (इंदौर) 2.5 अंकों के साथ पास से चुनौती दे रहे हैं। अन्य प्रमुख खिलाड़ी जिन्होंने अभी तक 2 अंक अर्जित किए हैं- गुप्ता आद्विक (इंदौर), दिव्यन पापरीवाल (इंदौर), आध्विक मंगल (ग्वालियर), अविक अग्रवाल (उज्जैन),,प्रयाण चोपड़ा (इंदौर), बालिका वर्ग में प्रतिस्पर्धा का जोश, बालिका वर्ग में भी मुकाबले बेहद रोमांचक हैं। अन्वेषा छजलानी (इंदौर), लावण्या जुनेजा (छिंदवाड़ा), तुर्किया दिव्यांशी (धार) और अंजलि श्रीवास्तव (भोपाल) ने 3 में से 3 अंक लेकर शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाया है। अन्य उल्लेखनीय प्रदर्शन, आद्या धुर्वे (जबलपुर) -2.5 अंक- आर्या अग्रवाल (ग्वालियर) -2 अंक स्वस्ति चौहान (ग्वालियर) -2 अंक समायरा किंगरानी (इंदौर) -2 अंक आरना महेश्वरी (इंदौर) -2 अंक जायती वगेड़िया (इंदौर) -2 अंक प्रतियोगिता में शेष राउंड्स अभी बाकी हैं और यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन-से खिलाड़ी अंततः राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होंगे।

गौरव सक्सेना की प्रेरणादायक उड़ान

डिजिटल कंटेंट की बढ़ती दुनिया में, एक नाम जो लगातार पहचान बना रहा है वह है गौरव सक्सेना। युगांडा में बसे एक बहुआयामी उद्यमी, गौरव न केवल एक माइक्रोफाइनेंस कंपनी का संचालन कर रहे हैं जिसमें 1000 से अधिक कर्मचारी काम करते हैं, बल्कि साथ ही वह एक सफल यूट्यूबर और कंटेंट क्रिएटर के रूप में भी उभर रहे हैं। उनका यूट्यूब चैनल Beyond -z Gauravv Sa&ena दर्शकों को दुनियाभर की संस्कृतियों, अनदेखे ट्रैवल डेस्टिनेशन्स और प्रेरणादायक अनुभवों की झलक देता है।

दीपशिखा नागपाल की एडवेंचर ट्रिप

अभिनेत्री दीपशिखा नागपाल को बस कुछ ही दिन मिलें और वो निकल पड़ती हैं एक नए रोमांचक और एडवेंचरस सफर पर। इस बार उन्होंने जिम कॉर्बेट और ऋषिकेश को चुना और वहां का अनुभव उनके लिए बेहद खास रहा। दीपशिखा बताती हैं कि उन्हें अपने काम से प्यार है, लेकिन इस तरह की छुट्टियों की उन्हें बहुत जरूरत होती है।वो बताती हैं, जैसे ही मुझे पता चला कि 'इश्क जबरिया' में मेरा ट्रैक खत्म हो गया है, अगली सुबह ही मैं निकल गई। मेरी दोस्त ऋशीना, जो एक वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर हैं, हमेशा मुझसे कहती थीं, 'जंगल चलो,' और मैं कहती थी, 'शूट छोड़कर कैसे जाऊं।' जैसे ही शूट खत्म हुआ और उन्हें जिम कॉर्बेट जाना था, मैंने कहा, 'मैं भी चल रही हूं।' मैं ऋषिकेश भी जाना चाहती थी, तो दोनों जगहों का प्लान बन गया।

चायवाला बन गए अभिषेक

ज़ी टीवी के 'जमाई नं. 1' में हाल ही में एक दिल छू जाने वाला मोड़ देखने को मिला, जब नील यानी अभिषेक मलिक अपनी ऑनस्क्रीन पत्नी रिद्धि (सिमरन कौर) को मनाने के लिए चायवाले का रूप अपनाता है। पुराने ज़माने की टपरी डेट को फिर से जीते हुए नील, चायवाले की तरह तैयार होकर रिद्धि को खुद अपने हाथों से गरमा-गरम चाय परोसता है, जहां एक आम-सी दिखने वाली चाय, प्यार और यादों की सबसे खास निशानी बन जाती है। लेकिन इस दिन को सचमुच खास बना दिया उन पलों ने, जो कैमरे के पीछे घटे!अभिषेक मलिक ने इस सीन को सिर्फ एक्टिंग तक सीमित नहीं रखा, बल्कि ऑफस्क्रीन भी चायवाले की भूमिका में पूरी तरह उतर गए। उन्हें चाय बनानी तक नहीं आती थी, लेकिन उन्होंने सेट पर पूरी यूनिट के लिए चाय बनाने की ज़िम्मेदारी खुद उठाई। स्पॉट बॉयज़ और किचन टीम की मदद से उन्होंने झटपट सीखा और फिर शॉट्स के बीच चाय सर्व करने निकल पड़े।

शिल्पा शिरोडकर के बाद एक्ट्रेस निकिता दत्ता को हुआ कोरोना

बॉलीवुड अभिनेत्री निकिता दत्ता और उनकी मां कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी दी है। फिलहाल निकिता घर पर क्वारैंटाइन हैं और उन्हें हल्के लक्षण हैं। उन्होंने अपने सभी काम फिलहाल के लिए रोक दिए हैं। निकिता दत्ता ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, कोविड ने मुझसे और मेरी मां से हेलो कह दिया है। उम्मीद है ये अनचाहा मेहमान ज्यादा दिन नहीं रहेगा। इस छोटे से क्वारैंटाइन के बाद मिलते हैं। सभी लोग सुरक्षित रहें। निकिता हाल ही में फिल्म ज्वेल थीफ में नजर आई थीं। उन्होंने इस फिल्म के जरिए अपना बॉलीवुड ड्रीम पूरा होने की बात भी कही थी। उन्होंने कहा था, सिद्धार्थ आनंद की दुनिया का हिस्सा बनना मेरे लिए बड़ी बात है। इस फिल्म ने मुझे क्लासिक बॉलीवुड हीरोइन वाली फीलिंग दी है। सिर्फ डांस करने की बात नहीं है, बल्कि एक्ट्रेस जैसा फील करने का मौका मिला।

माहुआ के किरदार को जीवंत कर दिया रश्मि ने

जब कोई एक्टर अपना किरदार इतनी खूबसूरती से निभा ले कि उनका खुद का परिवार भी उन्हें छेड़ने लगे, तो समझिए उन्होंने एक्टिंग में जान डाल दी है। कुछ ऐसा ही हो रहा है रश्मि गुप्ता के साथ, जो सन नियो के शो रिश्तों से बंधी गौरी में माहुआ का निगेटिव रोल निभा रही हैं। माहुआ के किरदार को उन्होंने इस कदर जीवंत कर दिया है कि घरवाले भी अब मज़ाक में उनसे डरने लगे हैं। रश्मि शर्मा कहती हैं,माहुआ ने घर में उथल-पुथल मचा रखी है। वो बुंदेला परिवार की सबसे बड़ी दुश्मन बन चुकी है और रोज़ कोई न कोई ड्रामा कर रही होती है। चूंकि ये डेली शो है, तो विलेन को भी वक्त-वक्त पर हारना पड़ता है, वरना मज़ा नहीं आता। अब जब वीरेंद्र लौट आया है, तो यह देखना दिलचस्प होगा कि वो खुद आया है या किसी ने उसे वापस लाया है।

सपी द्वारा जनसुनवाई में आएं 30 आवेदको की शिकायतो को सुनकर संबंधित थाना प्रभारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

रतलाम। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए 30 आवेदको की शिकायतो को जनसुनवाई के माध्यम से सुना। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा द्वारा जनसुनवाई में प्राप्त विभिन्न शिकायतो को सुनकर थाना प्रभारीयो से प्रकरणों के बारे में एवं की गई कार्यवाही की जानकारी ली साथ ही नई शिकायतो पर शीघ्र कार्यवाही कर निराकरण करने एवं की गई कार्यवाही से अवगत कराने के संबंध में निर्देश दिए गए। पुलिस अधिक्षक द्वारा पिछली जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों की समीक्षा भी की और उनकी प्रगति की जांच की। एसपी ने आमजन की शिकायतें सुनने पर बल दिया और कहा कि यह प्रक्रिया नियमित रूप से जारी रहेगी। इस दौरान नगर पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र घनघोरिया, नगर पुलिस अधीक्षक जावरा दुर्गेश आर्मो, एसडीओपी जावरा संदीप मालवीय, एसडीओपी

सृष्टि लेकर आयी मोना की मनोहर कहानियां'

हाल ही मे 'हंगामा ओटीटी' पर नई ओरिजनल सीरीज 'मोना की मनोहर कहानियां' के रिलीज हुई, यह एक मर्डर की पहेली के इर्द-गिर्द बुनी गई यह सीरीज एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है जो दर्शकों को शक, सच के साथ हेर-फेर करने और धोखे से भरी दुनिया में ले जाती है। 'मोना की मनोहर कहानियां' की कहानी इंटेरोगेशन रूम (पूछताछ कक्ष) की चार-दीवारी में ही सिमटी है। यह सीरीज इंस्पेक्टर पवन (अंकुर नैय्यर) की मोना (सृष्टि रोडे) से की जाने वाली पूछताछ पर केंद्रित है। एक मर्डर के मामले में सबसे ज़्यादा शक के घेरे में मोना ही है। मोना की कहानी सच और झूठ के बीच झूलती है। एक सामान्य पूछताछ जल्द ही एक बड़े अपराध की ओर ले जाती है। मोना जो भी कहानी सुनाती है उसे सुनकर पवन एक अजीब-सी साइकोलॉजिकल भूलभुलैया में फंसने लगता है। पवन यह तय नहीं कर पाता है कि मोना ही खूनी है या फिर वह कोई खेल खेल रही है।

रोहित सराफ ने नए प्रोजेक्ट की दी झलक

अभिनेता रोहित सराफ की लेटेस्ट सोशल मीडिया पोस्ट ने उनके फैन्स को 'आगे कुआं, पीछे खाई' जैसी स्थिति में डाल दिया है। एक तरफ जहां फैन्स उन्हें दोबारा सेट पर देखकर और उनके करियर अपडेट का इंतजार करते हुए बेहद खुश हैं, वहीं दूसरी तरफ वे यह अंदाजा नहीं लगा पाने से परेशान हैं कि आखिर रोहित किस प्रोजेक्ट की शूटिंग कर रहे हैं।

'चॉकलेट बॉय' से हंक बन चुके रोहित ने सोशल मीडिया पर अपनी एक शर्टलेस सेल्फी पोस्ट की है, जिसमें वह घायल, थके हुए और खून से लथपथ नजर आ रहे हैं। उनके माथे पर नकली खून लगा है और दोनों बाजुओं पर चोट के निशान हैं, जिससे लग रहा है कि वे किसी हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग कर रहे हैं।

बताया गया कि सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग व तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं रोजगार कार्यालय द्वारा युवा संगम अंतर्गत जिला स्तरीय, रोजगार एवं अप्रेंटिशिप मेले का आयोजन 4 जून 2025 को शासकीय आईटीआई सैलाना रोड रतलाम में किया जाएगा। जिसमें बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र की कंपनियों में अप्रेंटिशिप एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे साथ ही स्वरोजगार योजनाओं के तहत विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा हितग्राहियों को उनके हितलाभ वितरण किए जाकर अलग अलग स्वरोजगार योजनाओं के बारे में मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। शैक्षणिक योग्यता 8 वीं उत्तीर्ण से स्नातक, एवं आईटीआई उत्तीर्ण तथा 18 से 45 वर्ष तक के युवा आवेदन कर सकते है। इच्छुक आवेदक युवा संगम मेले में 4 जून को प्रातः 10 बजे से 3 बजे तक शासकीय आईटीआई सैलाना रोड रतलाम में अपने फोटो, शैक्षणिक योग्यताओं के मूल प्रमाण पत्र,

'बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन' अब 100 एपिसोड्स क्लब में

शो बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन ने हाल ही में अपने 100 एपिसोड पूरे कर लिए हैं और सेट पर इस मौके को बड़े ही जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। एक अनोखी और दिलचस्प कहानी के साथ शुरू हुआ यह शो दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बना चुका है। इस खास मौके पर पूरी कास्ट और क्रू ने मिलकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया।

यह शो पारंपरिक सास-बहू ड्रामों से हटकर दो मजबूत महिला किरदारों की कहानी बयां करता है। एक ओर चालाक और महत्वाकांक्षी जेठानी चमकीली, एक नौकरानी से जेठानी चुकी है, लेकिन उसका सपना हवेली की मालकिन बनने का है वहीं सीधी-सादी और समझदार देवरानी चैना, छोटी ठकुराईन बनकर हवेली को बचाने और परिवार को जोड़कर रखने की कोशिश में जुटी रहती हैं।

▶उपभोक्तों पर बढ़ा भार, गर्मी के मौसम में बढ़ जाती है बिजली की खपत

अगले महीने फिर बढ़कर आएगा बिजली बिल एफपीपीएएस के नाम पर 2.52 % का इजाफा

● भोपाल

गर्मी में बिजली खपत ज्यादा होने से उपभोक्ताओं का तीन से चार गुना अधिक बिल आ रहा है। वहीं हर महीने बिजली कंपनियां फ्यूल एंड पावर पर्चेस एडजस्टमेंट सरचार्ज (एफपीपीएएस) भी अलग से जोड़ रही हैं। इस बार बिजली कंपनियों ने 2.52 फीसदी एफपीपीएएस लगाया है। इससे अगले महीने बिजली उपभोक्ताओं का बिजली बिल ज्यादा बढ़कर आएगा।

प्रदेश में बिजली का नया टैरिफ 1 अप्रैल से लागू हो चुका है। इससे भी बिजली बिलों में इजाफा हो गया है। वहीं गर्मी में बिजली खपत अधिक होने से ज्यादातर बिजली उपभोक्ता सब्सिडी के दायरे में बाहर हो जाते हैं। इससे उनका बिजली बिल तीन से चार गुना तक बढ़ जाता है। अब एफपीपीएएस भी बढ़ गया है। इससे बिजली बिल में और अधिक इजाफा होगा। बिजली कंपनियों ने दो साल पहले यह व्यवस्था लागू की थी। इसके तहत हर महीने फ्यूल एंड पावर पर्चेस एडजेस्टमेंट सरचार्ज जोड़ा जाता है। कई बार इसमें कमी भी होती है, लेकिन ज्यादातर यह चार्ज बढ़ाया जाता है। इससे बिजली बिलों में इजाफा हो जाता है।

घाटे के आधार पर लगता है चार्ज

दरअसल केंद्र सरकार ने घाटे के आधार पर फ्यूल एंड पावर पर्चेस एडजेस्टमेंट सरचार्ज (एफपीपीएएस) वसूलने के अधिकार बिजली कंपनियों को दिए हैं। इस सरचार्ज की गणना प्रत्येक महीने की 24 तारीख होती है। बिजली कंपनियों द्वारा दो साल से हर महीने सरचार्ज वसूला जा रहा है। हर महीने चार्ज वसूलने पर भी बिजली कंपनियों को फायदा हो रहा है। इसके बाद भी कंपनियों का घाटा कम नहीं हो रहा है।

इस बार 3.46 फीसदी बढ़ाया गया है टैरिफ

बिजली कंपनियों ने 4107.18 करोड़ का घाटा बताते हुए बिजली के मौजूदा टैरिफ में 7.52 फीसदी इजाफा करने की मांग की थी। इसके बदले आयोग ने 3.46 फीसदी इजाफा किया है। बिजली कंपनियों ने साल 2025-26 के लिए 58744.15 करोड़ के राजस्व की आवश्यकता बताई थी। कंपनी के मुताबिक प्रवलित दरों पर 54636 करोड़ का राजस्व मिलेगा। इससे बिजली कंपनियों को 4107.18 करोड़ का नुकसान होगा। इसकी भरपाई के लिए कंपनियों ने टैरिफ बढ़ाने की मांग की थी।

अब बिजली कंपनी के उपाय एप से आंधी-तूफान में बिजली गुल की भी शिकायत

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सभी प्रक्रियाओं को ऑनलाइन कर रही है। बिजली कंपनी ने अपने उपाय एप को अधिक अपडेट कर दिया है। उपाय एप के जरिए विद्युत संबंधी अनेक तरह की शिकायतों का समाधान किया जा रहा है। कंपनी ने कहा है कि आंधी, तूफान एवं अन्य कारणों से होने वाले विद्युत व्यवधान के निराकरण के लिए भी उपभोक्ता उपाय एप पर शिकायत कर सकते हैं। कंपनी ने बताया है कि बिजली उपभोक्ता गूगल प्ले स्टोर से इस एप को निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं। गौरतलब है कि उपभोक्ता मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उपाय एप के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करने के साथ ही शिकायत की स्थिति भी जान सकते हैं। बिजली कंपनी ने कहा है कि उपभोक्ताओं के लिए उपाय एप के माध्यम से कई फायदे हो सकते हैं, जैसे उपाय एप के रजिस्टर कंम्पलेंट ऑप्शन्स की सहायता से विद्युत व्यवधान या बिल संबंधी शिकायत दर्ज कर शिकायत क्रमांक प्राप्त कर सकते हैं। इसके बाद उपभोक्ता दर्ज शिकायत के निराकरण की स्थिति भी उपाय एप के माध्यम से जान सकते हैं। वहीं उपभोक्ता अपने वर्तमान बिल को डाउनलोड करने के साथ ही बिल भुगतान भी कर सकते हैं। उपाय एप से बिल का भुगतान करने पर उपभोक्ताओं को बिल डेस्क, एचडीएफ सी बैंक, पे-यू, गूगल पे, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, भीम यूपीआई, नेट बैंकिंग आदि ऑप्शन्स प्राप्त होते हैं।

हर जिले में जाएंगे आईसीएआर के 4-4 वैज्ञानिक, किसानों को करेंगे जागरूक

30 मई को पूरे प्रदेश में निकलेगी महिला बाइक रैली

● भोपाल / प्रशासनिक संवाददाता

मंत्रालय में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रियों से चर्चा में कहा कि अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर प्रदेशव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत प्रदेश में 31 मई तक विभिन्न प्रकार की गतिविधियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि 28 मई को बैतूल में राज्य स्तरीय महिला उद्यमिता मेले का आयोजन होगा। 29 मई को खरगपुर में महिला स्वास्थ्य शिविर लगेंगे। 30 मई को जिला एवं ब्लॉक स्तर पर विशेष महिला स्वास्थ्य शिविर लगेंगे। इसी दिन स्वावलंबी महिला-सशक्त राष्ट्र की थीम पर अहिल्या वाहिनी कार्यक्रम के तहत प्रदेश की प्रमुख महिला खिलाड़ियों एवं चुनौतियों से संवाद एवं पूरे प्रदेश में महिला बाइक रैली आयोजित की जाएगी। सीएम भोपाल में बाइक रैली में शामिल होंगे। इसी अनुक्रम में 31 मई को भोपाल के जम्बूरी मैदान में महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन होगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कैबिनेट की अगली बैठक 3 जून को पचमढ़ी में होगी। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को बताया कि 29 मई से 12 जन तक केंद्र सरकार द्वारा देश के 723 जिलों में इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चर रिसर्च (आईसीएआर) के माध्यम से कृषि जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसमें आईसीएआर के चार-चार वरिष्ठ वैज्ञानिक हर जिले में जाएंगे और किसानों को जलवायु, पानी व मिट्टी परीक्षण कर उनके एग्रो क्लायमेटिक जोन के अनुसार प्राकृतिक खेती, जैविक खेती और बागवानी सहित उन्नत कृषि करने के बारे में जानकारी एवं सलाह भी देंगे।

टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी नियोजित विकास हो

सीएम ने प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में गत 24 मई को नई दिल्ली में हुई नीति आयोग की बैठक की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने मंत्रियों से कहा कि प्रधानमंत्री के इस विजन डाक्यूमेंट के आधार पर अपनी-अपनी विभागीय रूपरेखा तैयार कर कार्रवाई करें। उन्होंने बताया कि बताया कि नीति आयोग ने प्रदेश के टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी निरंतर शहरी विकास और योजनाबद्ध एवं व्यवस्थित शहरी नियोजन की दिशा में कार्य करने को कहा है।

कैबिनेट द्वारा स्वीकृत पदों पर समय-सीमा में करें भर्ती

डिप्टी सीएम शुक्ला ने स्वास्थ्य विभाग की वृहद समीक्षा की

भोपाल, प्रसं। डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला ने कैबिनेट द्वारा स्वीकृत पदों पर समय-सीमा में भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा स्वीकृत पदों की भर्ती में अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। शुक्ला ने मंगलवार को मंत्रालय में स्वास्थ्य विभाग की वृहद समीक्षा की। उन्होंने यूजी/पीजी सीटस के अपग्रेडेशन से जुड़े कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। शुक्ला ने निर्देश दिए कि मेडिकल कॉलेजों में सीट वृद्धि के लिए आवश्यक अधोसंरचना विकास कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए। साथ ही आवश्यक उपकरणों की खरीदी प्रक्रिया को भी निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए, जिससे राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के सभी मापदंड निर्धारित समय में पूरे किए जा सकें। डिप्टी सीएम शुक्ला ने यह भी निर्देश दिए कि ऑनलाइन ट्रांसफर प्रक्रिया को पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ क्रियान्वित किया जाए। उन्होंने हिंदी में एमबीबीएस के लिए आवश्यक पुस्तकों की उपलब्धता मेडिकल कॉलेज में सुनिश्चित करने के लिए प्राथमिकता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

लोकमाता अहिल्या बाई की 300वीं जयंती पर भोपाल में बड़ा कार्यक्रम

प्रधानमंत्री 31 मई को भोपाल आएंगे, प्रदेश को देंगे चार बड़ी सौगात

पीएम मोदी महासम्मेलन से इंदौर में मेट्रो ट्रेन सेवा और सतना एवं दतिया में नए एयरपोर्ट का वर्चुअल लोकार्पण व उज्जैन में शिप्रा नदी पर घाट निर्माण का वर्चुअल भूमिपूजन करेंगे

सम्मेलन में दो लाख महिला उद्यमी, कामगार, महिला स्व-सहायता समूह और लाड़ली बहनें शामिल होंगी

● भोपाल / प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल के जम्बूरी मैदान पर 31 मई को लोकमाता देवी अहिल्या बाई की 300वीं जयंती के अवसर पर महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। महासम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि होंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री प्रदेश को चार बड़ी सौगातें देंगे।

वे सम्मेलन से इंदौर में मेट्रो ट्रेन सेवा और सतना एवं दतिया में नए एयरपोर्ट का वर्चुअल लोकार्पण करने के साथ ही उज्जैन में शिप्रा नदी पर घाट निर्माण का वर्चुअल भूमिपूजन भी करेंगे। इस महासम्मेलन में करीब 2 लाख महिला उद्यमी, कामगार, महिला स्व-सहायता समूह, लाड़ली बहनें शामिल होंगी।

मेट्रो के 6 किमी लंबे कॉरिडोर का उद्घाटन

भारत का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर एक नए युग में प्रवेश करने जा रहा है। प्रधानमंत्री 31 मई को भोपाल से वर्चुअली इंदौर मेट्रो के सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर यात्री सेवा का शुभारंभ करेंगे। यह लगभग 6 किलोमीटर का हिस्सा यलो लाइन का सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर है। इसमें पांच स्टेशन गांधीनगर स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 6 स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 5 स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 4 स्टेशन और सुपर कॉरिडोर 3 स्टेशन शामिल हैं। यह कॉरिडोर ट्रैफिक और प्रदूषण कम करेगा, साथ ही यात्रियों को आरामदायक सफर प्रदान करेगा। सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर न केवल तकनीकी दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि इंदौर की आधुनिकता की ओर बढ़ती दिशा का प्रतीक भी है।

दतिया-सतना को मिलेगी हवाई उड़ान की सुविधा

पीएम मोदी प्रदेश के दो प्रमुख तीर्थ स्थलों दतिया और सतना को हवाई उड़ान की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री भोपाल से वर्चुअली दतिया और सतना में नवनिर्मित एयरपोर्ट का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी लोकार्पण कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री प्रारंभ से ही प्रदेश के प्रमुख शहरों को हवाई सुविधा से जोड़ने में जुटे हुए हैं। दतिया और सतना शहर धार्मिक, औद्योगिक और सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यहां एयरपोर्ट की सुविधा आ जाने से तीर्थ यात्रियों को दतिया की मां पीतांबरा पीठ, सतना की मैहर वाली मां शारदा और श्रीराम के वनवास के साक्षी चित्रकूट धाम पहुंचने के लिए हवाई यात्रा की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी।दतिया में एयरपोर्ट लोकार्पण के बाद 60 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित 124 एकड़ में फैले एयरपोर्ट पर प्रारंभिक चरण में 19 सीटर एयरक्राफ्ट उतर सकेंगे। 37 करोड़ रुपए की लागत से सतना में निर्मित एयरपोर्ट पूर्व निर्मित हवाई पट्टी का पुनर्निर्माण कर आधुनिक स्वरूप में विकसित किया गया है।

शिप्रा पर 29.21 किमी लंबे घाटों का निर्माण होगा

प्रधानमंत्री सिंहस्थ महापर्व की तैयारियों के अंतर्गत नमामि शिप्रे परियोजना के तहत घाट निर्माण एवं अन्य कार्यों का वर्चुअल भूमिपूजन करेंगे। शिप्रा नदी पर 778.91 करोड़ रुपए की लागत वाले ये निर्माण कार्य धार, उज्जैन, इंदौर और देवास जिले के हैं। प्रधानमंत्री 83.39 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले बैराज/स्टॉप डैम/बेंदेड कॉजवे का भी भूमिपूजन करेंगे। साथ ही कालियादेह स्टॉप डैम के 1.39 करोड़ रुपए लागत के मरम्मत कार्य भी शुरू होंगे। शिप्रा नदी के दोनों किनारों पर शनि मंदिर से नागदा बायपास तक कुल 29.21 किलोमीटर लम्बाई में घाट निर्माण कार्य किया जाएगा। घाटों पर श्रद्धालुओं के स्नान के लिए आवश्यक जल स्तर और आवागमन बनाए रखने के लिये वेंटेड कॉजवे का निर्माण किया जाएगा। सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए शिप्रा नदी को अविरल एवं प्रवाहमान बनाए रखने के लिए शिप्रा नदी पर बैराज का निर्माण एवं स्टॉप डैम का मरम्मत कार्य भी किया जाएगा।

एक राह-वीर को साल भर में अधिकतम पांच प्रकरणों में दिया जा सकेगा अवॉर्ड

गोल्डन ऑवर में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले राह-वीर को मिलेगा इनाम

राह-वीर योजना को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने जारी की गाइडलाइन

● भोपाल

सड़क दुर्घटनाओं में होनी वाली मौतों की संख्या में कमी लाने के लिए सीएम डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में गत कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार राह-वीर योजना शुरू की गई है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने योजना की गाइडलाइन जारी कर दी है। इसके अनुसार सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर (दुर्घटना से एक घंटे के भीतर का समय) में अस्पताल पहुंचाने वाले राह-वीर को 25 हजार की नकद प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति-पत्र दिया जाएगा। एक राह-वीर

को वर्षभर में अधिकतम 5 प्रकरणों में अवार्ड दिया जा सकेगा। इसके साथ ही चुने हुए राह-वीरों में से सबसे योग्य 10 राह-वीरों को राष्ट्रीय स्तर पर एक-एक लाख रुपए पुरस्कार स्वरूप दिए जाएंगे। योजना का उद्देश्य दुर्घटना होने के एक घंटे के भीतर घायल व्यक्ति की जान बचाने चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराना है।

कैसे चुने जाएंगे राह-वीर

कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा पुलिस थाना, अस्पताल/ट्रामा केयर सेंटर से प्राप्त जानकारी के मुताबिक प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी। इसकी प्रति संबंधित राह-वीर को भी भेजी जाएगी। मूल्यांकन समिति में संबंधित जिले के जिला मजिस्ट्रेट, एसएसपी, सीएमएचओ, आरटीओ (परिवहन विभाग) शामिल होंगे। ये समिति मासिक आधार पर प्रस्तावों की समीक्षा कर उन्हें मंजूरी देगी। चुने हुए राह वीर को राज्य परिवहन आयुक्त द्वारा सीधे बैंक खाते में प्रोत्साहन राशि का अंतरण किया जाएगा। इसकी निगरानी के लिए प्रमुख सचिव (गृह) की अध्यक्षता में एक राज्य स्तरीय निगरानी समिति बनाई जाएगी। जो हर तीन महीने में योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे। इस योजना के तहत दिए जाने वाले सम्मान की राशि परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय वहन करेगा।

सेटेलाइट से होगी खनिजों के अवैध उत्खनन की निगरानी

पीएस खनिज उमाकांत उमराव ने कलेक्टरों को आदेश जारी किए

● भोपाल

प्रदेश में खनिजों के अवैध उत्खनन पर नियंत्रण के लिए सेटेलाइट (उपग्रह) आधारित खनन निगरानी प्रणाली विकसित की गई है। प्रमुख सचिव खनिज उमाकांत उमराव ने सेटेलाइट (उपग्रह) आधारित खनन निगरानी प्रणाली को लागू किए जाने के संबंध में जिला कलेक्टर्स को आदेश जारी कर दिए हैं। प्रमुख सचिव उमराव ने बताया कि इस व्यवस्था के अंतर्गत प्रदेश की समस्त खदानों को जियो टैग किया गया है और इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया गया है। विभाग द्वारा निर्मित पोर्टल URL– https://mines.mp. gov.in/ Surveil lance/ पर क्लिक कर एक्सेस किया जा सकता है। इस पोर्टल से सेटेलाइट के माध्यम से अवैध उत्खनन की पहचान कर एलर्ट्स जारी किए जा रहे हैं, जिसे पोर्टल पर जिला कलेक्टर एवं जिला खनिज अधिकारी द्वारा लॉग इन कर देखा जा सकता है। लॉग इन की जानकारी पृथक से विभागीय ई-मेल आईडी में दी गई है। जिला कलेक्टर एवं खनिज अधिकारी को एलर्ट की जानकारी एसएमएस द्वारा प्रत्येक माह पोर्टल के माध्यम से दी जाएगी।

जिले के अंतर्गत जारी किए गए एलर्ट मैप पर चिन्हित रहेंगे, जिनका अन्य स्थापित खदानों, जियो लॉजिकल लेयर एवं खसरे की जानकारी के आधार पर परीक्षण किया जा सकता है। जारी किए गए एलर्ट को खनिज अधिकारी द्वारा फील्ड वेरिफिकेशन कर मोबाइल एप के माध्यम से वेरीफाई किया जाएगा। फील्ड वेरिफिकेशन के बाद अवैध उत्खनन पाए जाने पर मप्र अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण नियम-2022 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

आधुनिक भारत के निर्माता हैं पं. जवाहरलाल नेहरू : सिंह

भोपाल (रासं)। भारत के पहले प्रधानमंत्री, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, आधुनिक भारत के निर्माता पं. जवाहरलाल नेहरू की 61वीं पुण्यतिथि के अवसर पर पीसीसी स्थित राजीव गांधी सभागार में 'बौद्धिक विमर्श' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि वर्तमान राजनीति को कुटिलता और झूठ की राजनीति बना दिया गया है। उन्होंने नेहरू को श्रद्धांजलि देने वाले अटल बिहारी वाजपेई के संसद में दिए भाषण के कुछ अंश सुनाते हुए कहा कि भाजपा की विचारधारा के एक वह प्रधानमंत्री थे जो कह रहे थे कि नेहरू एक हीरा थे और एक प्रधानमंत्री उसी विचारधारा के मोदी हैं जो 24 घंटे नेहरू की बुराई करते रहते हैं। अटल जी से लेकर मोदी काल तक भारतीय जनता पार्टी मूल्यानुगत रूप से कहां पहुंची है यह अपने आप में स्पष्ट है। इसी अवसर पर पूर्व सांसद मिनाक्षी नटराजन ने अपने उद्बोधन में नेहरू को क्रांतिकारी नेता बताया जो न केवल भारत की आध्यात्मिकता, उसके इतिहास, उसके समाज विन्यास और राजनीति की समझ रखते थे बल्कि तत्कालीन राजनीतिक सामाजिक और आर्थिक विषमताओं का उनके पास हल भी होता था।

नेहरू की 61वीं पुण्यतिथि पर पीसीसी में बौद्धिक विमर्श का आयोजन

समारोह मंत्रालय में कर्मचारी संगठनों ने किया मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का सम्मान

समय पर होगी भर्ती, प्रमोशन के लिए निकाल रहे रास्ता

● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजधानी में मंगलवार को कहा है कि रिक्त पदों की भर्ती के लिए समय पर काम होगा। इसके लिए विशेष भर्ती अभियान चलाने की जरूरत नहीं होना चाहिए। पदों की भर्ती के लिए भी एक व्यवस्था तय करने वाले हैं। इसके साथ ही प्रमोशन का रास्ता निकाल रहे हैं, हम फैसले के बहुत करीब हैं, जल्दी ही निर्णय आएगा। सब मिलजुलकर रास्ता निकालें तो अच्छा रहेगा। वे मंत्रालय में कर्मचारी संगठनों द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में बोल रहे थे, इस मौके पर सीएम को कर्मचारी संगठनों ने रजत कमल भेंट किया। इस मौके पर सीएम ने कर्मचारियों को प्रशासन की धुरी बताया और कहा कि जिसके हक का पैसा है, जिसके हक का अधिकार है, उसे देने में एक मिनट की देरी नहीं होनी चाहिए। मंत्रालय कर्मचारियों के बीच मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार की मंशा है कि हर कर्मचारी का अपना घर हो, अगर कोई

कर्मचारियों अपने दायरे के भीतर मकान खरीदने की परमिशन मांगता है तो उसे रोकना नहीं चाहिए, यह भी मैं अधिकारियों से हमेशा कहता हूं। यादव ने कहा कि कर्मचारियों की बीमा पॉलिसी पर भी काम हो रहा है जो खर्च आएगा उसे सरकार उठाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार बनती है तो बटन तो सब एक समान दबाते हैं और यही जिसके लिए अधिक बटन दबा उसकी ही सरकार होती है। उन्होंने कहा कि जो बचा है वह सब मिलेगा। सम्मान समारोह में प्रदेश सरकार के लघु एंव सूक्ष्म उद्योग तथा भोपाल जिले के प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप और विधायक भगवानदास सबनानी के अलावा कर्मचारी संगठनों के अध्यक्ष,पदाधिकारी व बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

वर्मा ने बताई कर्मचारियों की समस्याएं

कार्यक्रम के संयोजक सुभाष वर्मा ने इस मौके पर सीएम को कर्मचारियों की ओर से मांग पत्र सौंपा जिसमें केन्द्र के कर्मचारियों के समान सुविधाएं देने सहित अन्य प्रमुख मांगे उठाई गई। जिसमें मंत्रालय के कर्मचारियों के लिए एक कॉलोनी बनाने और मंत्रालय के कर्मचारियों के लिए एक इंडोर कॉम्प्लेक्स बनाने समेत अन्य मांगे शामिल है, वही मुख्यमंत्री द्वारा पदोन्नति का रास्ता निकालने की घोषणा के आधार पर पदोन्नति से रिक्त तारीख से पदोन्नति दिए जाने की मांग की गई।

कर्मचारी हितों के लिए माना आभार

कर्मचारियों के आवास, भाड़ा भत्ता समेत अन्य सुविधाओं को मंजूरी देने पर मंत्रालय के कर्मचारी संगठनों द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का सम्मान किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री द्वारा कर्मचारियों के हित में लिए गए निर्णयों पर आभार व्यक्त करते हुए सीएम यादव को मंत्रालय कर्मचारियों की समस्याओं से भी अवगत कराकर उसका निराकरण करने के लिए कहा गया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं संपादक सुनील वर्मा के लिए 1/4, परदेशीपुरा इन्दौर से प्रकाशित एवं दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेस एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश इन्दौर से मुद्रित.
कार्पोरेट कार्यालय : 301, अरु प्लाजा एमजी रोड इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com